website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 35 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 15 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली सरकार 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन करेगी

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार बुधवार को राजधानी में 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन करेगी। यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यक्रम के विस्तार का पांचवां चरण है, जिससे मोहल्ला स्तर पर प्राइमरी हेल्थकेयर सेवाओं को और सशक्त बनाया जाएगा। इस विस्तार के बाद दिल्ली में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कुल संख्या बढ़कर 319 हो जाएगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को उनके घर के पास मुफ्त, सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय राजधानी के लॉन्ग-टर्म प्राइमरी हेल्थकेयर रोडमैप के तहत 1,100 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने की दिशा में अहम है। फिलहाल 238 केंद्र संचालित हैं और नए उद्घाटन के बाद 319 केंद्र पूरी तरह चालू हो जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, हर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मुफ्त डॉक्टर परामर्श, जरूरी दवाएं और डायग्नोस्टिक जांच उपलब्ध होंगी। साथ ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, मेंटल हेल्थ सपोर्ट, योग, पोषण और लाइफस्टाइल काउंसलिंग जैसी निवारक सेवाएं भी दी जाएंगी। इससे बड़े अस्पतालों पर बोझ कम होगा और महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों व कम आय वर्ग के लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा। यह योजना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में 'सभी के लिए हेल्थकेयर' के विजन को मजबूती देती है।

मकर संक्रांति पर देशभर के तीर्थस्थलों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यूपी। मकर संक्रांति का पर्व देशभर में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही इस पावन अवसर पर अयोध्या, प्रयागराज, ऋषिकेश और हरिद्वार समेत कई धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं ने नदियों में पवित्र स्नान किया। प्रयागराज में माघ मेले के दौरान संगम घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कड़ाके की ठंड के बावजूद सभी आयु वर्ग के लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि घाटों पर सुरक्षा और सुविधाएं बेहतर हैं। कई भक्त पिछले कई वर्षों से मकर संक्रांति पर प्रयागराज आकर स्नान और साधना कर रहे हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी सुबह चार बजे से स्नान शुरू हो गया। स्नान के बाद श्रद्धालु हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। उत्तराखंड के ऋषिकेश में त्रिवेणी घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान कर पूजा-पाठ और दान-पुण्य किया। वहीं हरिद्वार के हर की पौड़ी पर भी आस्था का सैलाब देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इसे अत्यंत पुण्यदायी बताते हुए परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर का प्रकोप, न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर का असर तेज़ हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को शीतलहर का अलर्ट जारी करते हुए बताया कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। सुबह और देर रात ठंड का असर सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। आईएमडी के अनुसार, आज दिल्ली में अधिकतम तापमान करीब 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। सुबह के समय शीतलहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। वहीं 15 और 16 जनवरी को मौसम साफ रहने के बावजूद मध्यम से घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इन दिनों न्यूनतम तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि इसके बाद 2 से 4 डिग्री की धीरे-धीरे बढ़ोतरी संभव है। अगले तीन दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। आईएमडी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि लंबे समय तक ठंड में रहने से बचें और शरीर को ढककर रखें। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और कमजोर वर्ग के लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

थाईलैंड में रेल हादसा, ट्रेन पर क्रेन गिरने से 22 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड में बुधवार को एक भीषण रेल हादसा हुआ, जब बैंकॉक से देश के उत्तर-पूर्वी इलाके की ओर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन पर कंस्ट्रक्शन क्रेन गिर गई। इस हादसे में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 55 से अधिक यात्री घायल हो गए।

नाखोन रत्वासिमा में सुबह हुआ हादसा

थाई पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 9:05 बजे नाखोन रत्वासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे का स्थान थाई राजधानी बैंकॉक से लगभग 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है। घटना के समय ट्रेन उबोन रत्वथानी प्रांत की ओर जा रही थी।

हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट की क्रेन गिरी ट्रेन पर

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जिस क्रेन से हादसा हुआ, उसका इस्तेमाल मौजूदा रेल लाइन के समानांतर चल रहे एक हाई-स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य में किया जा रहा था। ट्रेन के गुजरने के दौरान क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन के एक कोच पर गिर पड़ी, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए।

डिब्बों में लगी आग, मौके पर मची अफरा-तफरी

क्रेन के टकराने के बाद ट्रेन के कुछ हिस्सों में आग लग गई, जिसे बाद में बुझा लिया गया। हालांकि, आग और तेज आवाज के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, वीडियो आए सामने

सोशल मीडिया पर हादसे के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें ट्रेन को भारी नुकसान पहुंचा हुआ दिख रहा है। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमें पटरी से उतरे डिब्बों में फंसे यात्रियों तक पहुंचने के लिए मुड़े हुए मेटल को काटती नजर आईं। फायरफाइटर्स, मेडिकल टीमों और डिजास्टर रिस्पॉन्स यूनिट्स को तुरंत मौके पर तैनात किया गया।

सरकार ने की हादसे की पुष्टि

थाई सरकार के पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना के तुरंत बाद कई बचाव दल भेजे गए। हादसे के समय कई यात्री डिब्बों के अंदर फंसे हुए थे।

पारदर्शी जांच के आदेश

थाईलैंड के डिप्टी प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री फिफात रत्वाकितप्राकर्न ने कहा कि संबंधित एजेंसियों को हादसे के कारणों की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी और विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रेन में सवार थे 195 यात्री

परिवहन मंत्री ने बताया कि हादसे के समय ट्रेन में करीब 195 यात्री सवार थे। अधिकारी पीड़ितों की पहचान करने और घायलों को मेडिकल सहायता पहुंचाने में जुटे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। गिरी हुई क्रेन लगभग 5.4 बिलियन डॉलर की हाई-स्पीड रेल परियोजना का हिस्सा थी।

सुरक्षा मानकों पर फिर उठे सवाल

गौरतलब है कि थाईलैंड में हाल के वर्षों में इंडस्ट्रियल और कंस्ट्रक्शन से जुड़े कई हादसे सामने आए हैं, जिससे सुरक्षा मानकों को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। इस दर्दनाक घटना के बाद भी क्रेन गिरने की वजह और जिम्मेदारी तय करने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं।

ईरान में उबाल के बीच ट्रंप पर भड़के राष्ट्रपति पेजेश्कियान, प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 जनवरी 2026 को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'ईरान में जो कुछ भी हो रहा है, इसके लिए बाहरी ताकतें जिम्मेदार हैं।' इससे पहले भी उन्होंने दंगाइयों और आतंकवादियों की आड़ में ईरानी समाज में गड़बड़ी फैलाने वालों की निंदा की थी।

पेजेश्कियान ने किया प्रदर्शनकारियों का समर्थन

मसूद पेजेश्कियान पहली बार प्रदर्शनकारियों के समर्थन में खुलकर आगे आए हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों की बात सुनी जाती तो प्रदर्शन नहीं होते। समाज के हर वर्ग की आवाज सुननी चाहिए। इस समस्या का हल निकालना बेहद जरूरी है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजरायल दंगों का ऑर्डर देकर ईरान में अफरा-तफरी और गड़बड़ी फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरान के लोगों से दंगाइयों

और आतंकवादियों से दूरी बनाने की अपील की।

देश के संबोधन में दिया था आश्वासन

मसूद पेजेश्कियान ने 11 जनवरी 2026 को देश को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकार उनकी मांगों और चिंताओं पर ध्यान देगी। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि दंगाइयों को समाज में गड़बड़ी करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। पेजेश्कियान ने ईरान के सरकारी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, 'ईरानियों को दंगाइयों को समाज में गड़बड़ी फैलाने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। लोगों को यह समझना होगा कि सरकार न्याय चाहती है। लोग फिक्रमंद हैं, हमें भी एहसास है।' उन्होंने कहा कि हम प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने को तैयार है, अधिकारी उनकी सभी बातें सुनेंगे, लेकिन दंगाई पूरे ईरानी समाज को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रदर्शन के बीच आज इरफान को फांसी

ईरान में 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को आज फांसी दी जा सकती है। उन्हें 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और 11 जनवरी को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। इरफान पर हिंसा भड़काने और 'खुदा के खिलाफ जंग छेड़ने' जैसा आरोप लगाया गया है। इस मामले में आगे कोई ट्रायल नहीं होगा। इरफान से परिवार को सिर्फ 10 मिनट के लिए आखिरी मुलाकात का मौका दिया गया है।

CM पद को लेकर बढ़ा सस्पेंस; सिद्धारमैया ने राहुल गांधी से मांगा साफ़ जवाब

नई दिल्ली । कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रहा द्वंद्व अब दिल्ली के दरबार तक पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राहुल गांधी से संपर्क कर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर स्थायी समाधान निकालने का आग्रह किया है। सिद्धारमैया का कहना है कि नेतृत्व को लेकर जारी निरंतर भ्रम के कारण शासन और कैबिनेट विस्तार के कार्यों में बाधा आ रही है। आपको बता दें कि मंगलवार को मैसूर एयरपोर्ट पर राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच हुई संक्षिप्त मुलाकात के बाद यह मुद्दा और गरमा गया है। राहुल गांधी तमिलनाडु से लौटते समय मैसूर में रुके थे, जहां मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों ने उनकी अगवानी की। हालांकि, सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया ने किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार किया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने राहुल गांधी से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस अनिश्चितता को खत्म किया जाए।

पावर शेयरिंग फॉर्मूले के कारण विवाद

कर्नाटक में मचे इस घमासान के केंद्र में वह कथित समझौता है, जो मई 2023 में सरकार गठन के वक्त हुआ था। डीके शिवकुमार के समर्थकों का दावा है कि हाईकमान ने 2.5 साल बाद मुख्यमंत्री पद शिवकुमार को सौंपने का वादा किया था। सरकार के ढाई साल नवंबर 2025 में पूरे हो चुके हैं, जिसके बाद से शिवकुमार खेमा सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री स्पष्ट कर चुके हैं कि वे अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और ऐसा कोई फॉर्मूला तय नहीं हुआ था। सिद्धारमैया ने आलाकमान को संकेत दिया है कि वे

अपनी कैबिनेट का विस्तार करना चाहते हैं और खाली पड़े पदों पर नियुक्तियां करना चाहते हैं। लेकिन नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच इन फैसलों पर ब्रेक लगा हुआ है। सिद्धारमैया का मानना है कि यदि हाईकमान उन्हें पूरे कार्यकाल के लिए हरी झंडी दे देता है, तो वे अधिक मजबूती से प्रशासन चला पाएंगे।

हाईकमान की चुप्पी और खरगे का बयान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले महीने इस विवाद को स्थानीय स्तर पर पैदा किया गया भ्रम बताया था। उन्होंने नेताओं को चेतावनी दी थी कि वे कर्नाटक की जीत का श्रेय व्यक्तिगत रूप से न लें। खरगे ने कहा है कि जब भी जरूरत होगी, सिद्धारमैया और शिवकुमार को चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया जाएगा। इस आंतरिक कलह पर भाजपा ने तीखा तंज कसा है। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि जब जर्मन चांसलर बेंगलुरु के दौरे पर थे, तब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उनकी अगवानी करने के बजाय मैसूर में राहुल गांधी की खुशामद में लगे थे। भाजपा का आरोप है कि राज्य में प्रशासन ठप है और दोनों नेता सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने की रेस में दौड़ रहे हैं।

7 महीने पहले निकाले गए बेटे के घर पहुंचे लालू यादव, तेज प्रताप पिता की सेवा में दिखे लीन

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे, जनशक्ति जनता दल अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने आज पटना में अपने सरकारी आवास पर चूड़ा दही भोज कार्यक्रम का आयोजन रखा है। बिहार में मकर संक्रांति पर चूड़ा दही भोज की शुरुआत लालू ने ही 90 के दशक में की थी। लालू का चूड़ा दही भोज कार्यक्रम हमेशा सुर्खियों में रहा है। लालू के यहां इस बार आयोजन नहीं हो रहा है। तेज प्रताप अपने पिता की विरासत को अपने अंदाज में जिंदा रखने की कोशिश में लगे दिखे। न सिर्फ विरासत बल्कि वह पिता की सेवा में लीन भी दिखे। दरअसल, जब लालू पहुंचे तो उनकी आंख पर सीधी धूप आ रही थी। जिसकी वजह से उन्होंने सिर पर हाथ रखा हुआ था। यह देखते ही तेज प्रताप ने अपने सहयोगियों में से एक को गमछे जैसा कपड़ा लाने के लिए कहा, जिसे उनके सिर पर रखा गया ताकि राजद चीफ को धूप सीधे न लगे। बता दें तेज प्रताप यादव ने पिता लालू के अलावा छोटे भाई तेजस्वी यादव, CM नीतीश को आमंत्रित किया है। NDA, महागठबंधन के तमाम बड़े नेताओं को आमंत्रित किया है। तेज प्रताप एक तरह से शक्ति प्रदर्शन करेंगे। मकर संक्रांति बाद बड़ा सियासी फैसला भी ले सकते हैं। NDA से नजदीकियां बढ़ रही हैं। बिहार में मकर संक्रांति पर अक्सर

राजनैतिक उलटफेर होता रहा है। कई राजनीतिक रिश्ते बनते बिगड़ते हैं। इस बार कौन सा सियासी खेला होगा इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

तेज प्रताप के चूड़ा दही कार्यक्रम में कौन-कौन पहुंचा?

तेज प्रताप यादव के यहां लालू यादव के अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, RLJP प्रमुख पशुपति पारस, मामा साधु यादव, प्रभुनाथ यादव, जदयू विधायक चेतन आनंद भी पहुंचे। बता दें लालू यादव ने बीते साल 2025 में ही अपने बड़े बेटे तेज प्रताप को पार्टी और घर से निष्कासित कर दिया था।

मकर संक्रांति पर सीएम भजनलाल शर्मा ने जलमहल में दिखाई पतंगबाजी, दिया कुमारी भी रहीं साथ

जयपुर। मकर संक्रांति का पर्व राजस्थान में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजधानी जयपुर में पर्यटन विभाग के जरिए ऐतिहासिक जलमहल की पाल पर भव्य 'काइट फेस्टिवल-2026' का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही खुद भी मांझा थामकर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम दिया कुमारी और विधायक बालमुकुंद आचार्य भी मौजूद रहे।

चरखी और पतंग के साथ जमकर की पतंगबाजी

जलमहल की पाल पर आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का एक अलग ही 'देसी अंदाज' देखने को मिला। सीएम ने जब चरखी और पतंग हाथ में ली, तो उनकी उंगलियों पर मांझे की पकड़ किसी मंझे हुए पतंगबाज की तरह सधी हुई दिखी।वह बार-बार पतंग को ढील देते और फिर तेजी से खींचते नजर आए। आसमान की ओर टकटकी लगाए मुख्यमंत्री इस बात का पूरा ध्यान रख रहे थे कि कहीं उनकी पतंग किसी और के पेंच में न कट जाए। उनके इस उत्साह को देख वहां मौजूद पर्यटक और स्थानीय लोग भी जोश से भर गए। वहीं इस दौरान उनके साथ कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक बालमुकंद आचार्य और डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने भी पतंगबाजी की।

सीएम ने दी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

इस दौरान, कार्यक्रम में शामिल होने के बाद, सीएम ने अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाया और पिंक सिटी के आसमान में सालों से चली आ रही पतंग उड़ाने की परंपरा को बनाए रखा। साथ ही, कार्यक्रम में पतंग उड़ाते हुए उन्होंने लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

18 घंटे के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद नागौर में हनुमान बेनीवाल का आंदोलन स्थगित

जयपुर/नागौर । करीब 18 घंटे तक चले हाई वोल्टेज राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामे के बाद आखिरकार राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल का आंदोलन स्थगित हो गया। जिला प्रशासन से कई दौर की बातचीत के बाद सुबह करीब 7 बजे आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया गया। नागौर जिला कलेक्टर और एसपी के साथ हुई लंबी बातचीत के बाद एक लिखित समझौता हुआ। इसी समझौते के आधार पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया। प्रशासन ने किसानों की मांगों को लेकर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद माहौल कुछ शांत हुआ।

जयपुर कूच से पहले बॉर्डर पर रोके गए

इससे पहले बुधवार रात को सांसद हनुमान बेनीवाल करीब एक हजार वाहनों के काफिले

के साथ राजधानी जयपुर के लिए रवाना हुए थे। हालांकि पुलिस ने उन्हें नागौर जिले के बॉर्डर पर ही रोक लिया। बड़ी संख्या में समर्थकों और किसानों की मौजूदगी के चलते नागौर से जयपुर तक प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहा।

रेल ट्रैक जाम की कोशिश, बढ़ा तनाव

आंदोलन के दौरान पहले रेलवे ट्रैक जाम करने की घोषणा की गई थी। जब बेनीवाल और किसान रेल ट्रैक की ओर बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद जयपुर कूच का ऐलान किया गया, जिससे स्थिति और ज्यादा तनावपूर्ण हो गई।

किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन

दरअसल नागौर जिले के किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे थे। इन्हीं किसानों के समर्थन में सांसद हनुमान बेनीवाल बुधवार को आंदोलन में शामिल हुए थे। उन्होंने साफ कहा था कि जब तक मांगें नहीं मानी जाएंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मंगलवार दोपहर से लेकर बुधवार (14 जनवरी) सुबह तक चले इस पूरे हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद आंदोलन स्थगित होने से प्रशासन और राज्य सरकार ने राहत की सांस ली है। फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, हालांकि प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

पीएम मोदी ने पवन कल्याण को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और अभिनेता पवन कल्याण को केनजुत्सु में औपचारिक रूप से शामिल होने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने उनके अनुशासन और वर्षों की साधना को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट आत्म-सुधार और मानसिक संतुलन का माध्यम है। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर

पीएम मोदी का आभार जताते हुए इसे नई जिम्मेदारी और प्रेरणा बताया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जर्मनी से मेलजोल का बढ़ना हमारे लिए अच्छा है

यूरोप की सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्ति जर्मनी के साथ भारत के बढ़ते रिश्ते मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में देश के लिए बेहद सकारात्मक संकेत देते हैं। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका जर्मनी अब केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि भारत के लिए रणनीतिक भरोसे का केंद्र बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत और जर्मनी के बीच व्यापार, रक्षा और तकनीकी सहयोग जिस तेजी से आगे बढ़ा है, उसने भारत को यह भरोसा दिया है कि वैश्विक मंच पर उसके पास अमेरिका के अलावा भी मजबूत और विश्वसनीय विकल्प मौजूद हैं। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच हुए साझा समझौतों को महज़ कूटनीतिक औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि दूरगामी रणनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जाना चाहिए। हालांकि साझा बयान में पनडुब्बी डील का औपचारिक उल्लेख नहीं किया गया, लेकिन कुल 19 साझा घोषणाओं का महत्व इससे कम नहीं हो जाता। इन घोषणाओं की अहमियत इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है। यूरोपीय संघ 27 देशों की सामूहिक अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है और ऐसे संगठन के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए कई नए रास्ते खोल सकता है। इससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी और साथ ही अमेरिका की ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ दबाव से भी भारत काफी हद तक मुक्त हो सकेगा। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह में यूरोपीय संघ की आयोग अध्यक्ष और ईयू परिषद के अध्यक्ष का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना भी भारत-यूरोप संबंधों की नई दिशा का संकेत है। यह दर्शाता है कि यूरोप अब भारत को केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के तौर पर देख रहा है। जर्मनी की विशेष रुचि भारत के कुशल मानव संसाधन को अपने देश में आकर्षित करने में भी दिखाई दे रही है। भारत का युवा और तकनीकी रूप से दक्ष टैलेंट जर्मनी की औद्योगिक जरूरतों को पूरा कर सकता है, वहीं भारत के लिए यह वैश्विक अवसरों के विस्तार का माध्यम बनेगा। इस पहल से अमेरिका का असहज होना स्वाभाविक है, क्योंकि लंबे समय से वह भारतीय प्रतिभाओं का प्रमुख गंतव्य रहा है। स्टील, हथियार निर्माण और सेमी-कंडक्टर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में जर्मनी के साथ संभावित समझौते भारत के लिए हर दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकते हैं। सेमी-कंडक्टर निर्माण में सहयोग भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत करेगा, जबकि रक्षा क्षेत्र में साझेदारी देश की सामरिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। जर्मनी जैसी तकनीकी रूप से उन्नत शक्ति के साथ यह सहयोग भारत के औद्योगिक विकास को भी गति देगा।

बाल विवाह मुक्त भारत की ओर बढ़ता देश: स्कूल, समाज और सरकार मिलकर बचपन की रक्षा का संकल्प

-कानून, चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी से बाल विवाह पर रोक, बेटियों को शिक्षा और सुरक्षित भविष्य

27 नवंबर 2024 भारत के सामाजिक इतिहास में एक अहम तारीख के रूप में दर्ज हुई। इसी दिन भारत सरकार के नेतृत्व में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की राष्ट्रव्यापी शुरुआत हुई। यह सिर्फ़ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सरकार और समाज के संयुक्त संकल्प का प्रतीक है, जिसका लक्ष्य है—हर बच्चे को उसका बचपन, उसकी पढ़ाई और उसका भविष्य लौटाना। वर्षों से जमी एक कुरीति को जड़ से उखाड़ फेंकने की इस कोशिश ने यह साफ संकेत दिया कि भारत अब बाल विवाह को सहन नहीं करेगा। इस अभियान का असर महज़ काग़ज़ों तक सीमित नहीं है। पिछले एक वर्ष में देशभर में एक लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए। यह अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन इसके बावजूद सच्चाई यह भी है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (2019-21) के मुताबिक भारत में 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष से पहले ही शादी के बंधन में बांध दी गई थीं। यह आंकड़ा केवल प्रतिशत नहीं है; इसके पीछे लाखों चेहरे, अधूरे सपने और ज़बरदस्ती छीने गए बचपन की कहानियां छुपी हैं।

हर बच्चा एक कहानी है

बाल विवाह को सिर्फ़ सामाजिक बुराई कह देने से उसकी भयावहता पूरी तरह समझ में नहीं आती। हर बाल विवाह एक बच्चे के जीवन में आई ऐसी दरार है, जिसे भर पाना बहुत मुश्किल होता है। एक तरफ़ वह बच्चा होता है जो स्कूल जाने, खेलकूद करने और सपने देखने की उम्र में चौका-चूल्हा, जिम्मेदारियों और गर्भ के बोझ तले दबा दिया जाता है। दूसरी तरफ़ वह समाज होता है, जो परंपरा और झूठे सम्मान के नाम पर इस अन्याय को सही ठहराने की कोशिश करता है। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। समाज के भीतर चेतना जाग रही है। लोग न सिर्फ़ बाल विवाह के खिलाफ़ आवाज़ उठा रहे हैं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सहयोगी तंत्र भी तैयार हो रहे हैं—स्कूल, शिक्षक, पंचायत, स्वयंसेवी संगठन, पुलिस और प्रशासन सब मिलकर।

चित्रदुर्ग की बच्ची : साहस की मिसाल

कर्नाटक के चित्रदुर्ग ज़िले की 13 वर्षीय बच्ची की कहानी इस बदलाव की मिसाल है। उसके परिवार ने तय कर लिया था कि उसकी शादी हर हाल में होगी—उसकी मर्ज़ी कोई मायने नहीं रखती थी। बच्ची ने रो-रोकर स्कूल में बने रहने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने नहीं सुना। जब विवाह की रस्में शुरू हुईं, तो उसने एक ऐसा कदम उठाया, जो अद्‌भुत साहस का प्रतीक है। वह खुद को छुड़ाकर भाग निकली। उसकी चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग इकट्ठा हुए। किसी ने वीडियो बनाए, किसी ने पुलिस को सूचना दी। समय पर प्रशासन पहुंचा और बच्ची बचा ली गई। यह सिर्फ़ एक बच्ची का बचना नहीं था, बल्कि यह समाज के जागने का संकेत था।

बीरभूम की चिट्ठी : भरोसे की आवाज़

पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले में एक स्कूल के ड्रॉप बॉक्स में मिली छोटी-सी चिट्ठी ने भी यही साबित किया कि बच्चों को अब भरोसा होने लगा है कि कोई उनकी सुनने वाला है। चिट्ठी में लिखा था—
"मैम, मेरी मदद कीजिए। मेरे माता-पिता मेरा विवाह करा रहे हैं।" शिक्षिका ने लिखावट पहचान ली। बच्ची को ढूंढा गया, पुलिस को सूचना दी गई। जब माता-पिता को क़ानूनी नतीजों और बच्ची के भविष्य के बारे में समझाया गया, तो वे पीछे हट गए। बच्ची दोबारा स्कूल लौटी। यह घटना दिखाती है कि जब बच्चे सुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे अपना हक़ मांगने का साहस कर पाते हैं।

हर मिनट तीन लड़कियां

इन प्रेरक घटनाओं के बावजूद सच्चाई कड़वी है। आज भी भारत में हर मिनट तीन लड़कियों की शादी कर दी जाती है। यह आंकड़ा झकझोर देने वाला है। इसका मतलब है कि जब तक हम इस लेख को पढ़ेंगे, दर्जनों बच्चियां शादी के नाम पर अपने अधिकार खो चुकी होंगी। बाल विवाह सीधे-सीधे बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। यह उनसे उनकी स्वायत्तता, सुरक्षा और स्वतंत्रता छीन लेता है। एक बात बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए— एक बच्चे के साथ विवाह के भीतर बनाया गया यौन संबंध भी बलात्कार है। यह अनैतिक है, गैरकानूनी है और किसी भी हाल में जश्न का विषय नहीं हो सकता। क्योंकि एक बच्चा विवाह के लिए सहमति देने में सक्षम ही नहीं होता। ऐसे में यह विवाह नहीं, बल्कि एक प्रकार की हिंसा है।

लड़कियों की सुरक्षा का सबसे बड़ा दुश्मन

बाल विवाह लड़कियों की सुरक्षा का सबसे बड़ा शत्रु और उनकी शिक्षा में सबसे बड़ा अवरोध है। शादी के बाद लड़की का स्कूल छूटना लगभग तय हो जाता है। शिक्षा से बाहर होने का मतलब है—आत्मनिर्भरता से बाहर होना, रोज़गार के अवसर खो देना और जीवन भर परनिर्भर बने रहना। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं है, बल्कि देश का भी भारी नुकसान है। जब लाखों लड़कियां कामकाजी उम्र में शिक्षा और कौशल के अभाव में कार्यबल से बाहर हो जाती हैं, तो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर उसका गहरा असर पड़ता है।

स्वास्थ्य पर गहरा संकट

बाल विवाह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट भी है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और बच्चे—दोनों की जान जोखिम में पड़ जाती है। कम उम्र में प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु का खतरा बढ़ता है, प्रसूति संबंधी जटिलताएं होती हैं, एनीमिया और कुपोषण आम हो जाता है, मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है, कम उम्र की माताओं से जन्मे शिशुओं में, समय-पूर्व जन्म, कम वजन, नवजात मृत्यु, मां-बच्चे दोनों की मृत्यु का खतरा कहीं अधिक होता है।

आर्थिक बोझ और विकास पर असर

बाल विवाह केवल सामाजिक या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, यह एक बड़ा आर्थिक संकट भी है। जब सरकार को शिक्षा, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य पर खर्च करने के बजाय जटिल स्वास्थ्य समस्याओं पर भारी रकम लगानी पड़े, तो सार्वजनिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। अनुमान है कि यदि बाल विवाह पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई, तो 2030 तक विकासशील देशों को खरबों डॉलर की आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। यह धन स्कूलों, अस्पतालों और रोज़गार सृजन में लग सकता था, लेकिन कुरीतियों की वजह से नष्ट हो रहा है।

कानून मौजूद है, लेकिन बदलाव समाज से आएगा

भारत में बाल विवाह निषेध के लिए कड़े कानून मौजूद हैं। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, पॉक्सो कानून और अन्य प्रावधान साफ कहते हैं कि बच्चे की शादी अपराध है। लेकिन सिर्फ़ कानून काफी नहीं हैं। जब तक समाज खुद बदलाव को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक यह लड़ाई अधूरी रहेगी। बाल विवाह के पीछे गरीबी, अशिक्षा, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक दबाव जैसे कई कारण हैं। इन्हें खत्म करने के लिए लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता, परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सहयोग, समुदाय स्तर पर जागरूकता, बच्चों के लिए सुरक्षित शिकायत तंत्र ज़रूरी हैं।

'बाल विवाह मुक्त भारत': उम्मीद की रोशनी

'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। यह अभियान सिर्फ़ रोकथाम नहीं, बल्कि मानसिकता में बदलाव पर ज़ोर देता है। यह संदेश देता है कि बेटी बोझ नहीं, भविष्य है। उसका बचपन और शिक्षा किसी भी परंपरा से ज्यादा कीमती है। आज कई गांवों और कस्बों में लोग खुद आगे आकर बाल विवाह की सूचना दे रहे हैं। स्कूलों में शिक्षक बच्चियों की निगरानी कर रहे हैं। पंचायतें संकल्प ले रही हैं। यह सब दिखाता है कि भारत धीरे-धीरे लेकिन मजबूती से सही दिशा में बढ़ रहा है।

बचपन को बचाने की जिम्मेदारी

बाल विवाह मुक्त भारत कोई दूर का सपना नहीं है। यह तभी संभव है जब हर नागरिक यह समझे कि एक बच्चे की शादी रोकना सिर्फ़ कानून का पालन नहीं, बल्कि मानवता का कर्तव्य है। स्कूल जाने वाले कदम अगर चौका-चूल्हा की ओर मुड़ गए, तो हम एक पीढ़ी खो देंगे। लेकिन अगर उन कदमों को किताबों, खेल के मैदानों और सपनों की राह पर बनाए रखा, तो भारत का भविष्य खुद-ब-खुद मजबूत होगा।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का कानून, भारत में भी बचपन और भविष्य बचाने को जरूरी कदम

डिजिटल दौर में सोशल मीडिया हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बन चुका है। सूचनाओं की तेज़ रफ्तार, अभिव्यक्ति की आज़ादी और वैश्विक संवाद के साथ-साथ इसके ख़तरे भी उतने ही गहरे हैं। सबसे ज़्यादा असर बच्चों और किशोरों पर पड़ रहा है। इसी चिंता को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध का कड़ा कानून बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और यूरोप के कई देशों ने इस क़दम का समर्थन किया है। भारत में भी यह बहस नई नहीं है। अगस्त 2013 में दिल्ली हाईकोर्ट ने के.एन. गोविंदाचार्य मामले में आदेश दिया था कि नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते, लेकिन यह आदेश काग़ज़ों से बाहर नहीं निकल पाया। आज सवाल यह है कि क्या भारत जैसे युवा आबादी वाले देश में बच्चों को बिना परिपक्वता, बिना सुरक्षा और बिना निगरानी के डिजिटल दुनिया में छोड़ देना सही है? इंटरनेट की दुनिया में बच्चों का निर्बाध प्रवेश सिर्फ़ उनके निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज के ताने-बाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे मुद्दे को समझने के लिए इससे जुड़े सात अहम पहलुओं पर गंभीरता से विचार ज़रूरी है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव: कानून क्यों और कैसे बने

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सबसे पहले क़ानूनी पहल अमेरिका में हुई। वर्ष 1998 में वहाँ 13 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए कानून बनाया गया। बाद के वर्षों में ऑनलाइन बुलीइंग, साइबर स्टॉकिंग और सेक्सटॉर्शन जैसे अपराध तेजी से बढ़े। कई मामलों में बच्चों की आत्महत्या तक की खबरें सामने आईं। इन्हीं घटनाओं के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में ऐतिहासिक फैसला लिया। नए कानून के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक-टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित करीब 10 बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जॉइन नहीं कर सकते। कानून तोड़ने वाली टेक कंपनियों पर करीब 3 अरब रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस कानून का मक़सद सिर्फ़ प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाना भी है। अब जिम्मेदारी बच्चों या अभिभावकों पर नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म्स पर डाली गई है कि वे उम्र सत्यापन और कंटेंट सुरक्षा को गंभीरता से लागू करें।

भारत में कानून हैं, लेकिन अमल नहीं

भारत में स्थिति थोड़ी अलग और कहीं ज़्यादा विरोधाभासी है। एक तरफ़ देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते, उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल सकता। गुटखा, शराब या अन्य नशीले पदार्थ बच्चों को बेचने पर पुलिस सीधे मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रैक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानूनों के तहत कंपनियां बच्चों से वैध सहमति के बिना उनका डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। इसके अलावा आईटी एक्ट, पॉक्सो एक्ट और अन्य क़ानून बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण, पोर्नोग्राफी और साइबर अपराधों से बचाने के लिए मौजूद हैं। इसके बावजूद सोशल मीडिया के मामले में पूरी व्यवस्था आंखें मूंदे बैठी है। नाबालिग बच्चों के लिए न तो सख़्त उम्र सत्यापन है, न प्रभावी निगरानी। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार और टेक कंपनियों ने इसे गंभीरता से लागू नहीं किया। नतीजा यह है कि आज भारत में करोड़ों बच्चे खुलेआम सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

टेक कंपनियों का मुनाफ़ा और बच्चों की कीमत

सोशल मीडिया कंपनियों के बिज़नेस मॉडल की सच्चाई बेहद चिंताजनक है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेटा (फेसबुक की पेरेंट कंपनी) का 19% से ज़्यादा राजस्व ठगी, भ्रामक और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आता है। मेटा के अंदरूनी दस्तावेज़ों पर आधारित "प्रोजेक्ट मर्करी" रिपोर्ट में साफ़ कहा गया कि सोशल मीडिया बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। रिपोर्ट के मुताबिक टेक कंपनियों का करीब एक-तिहाई कारोबार बच्चों और किशोरों पर आधारित है। नुकसान से बचने के लिए इस रिपोर्ट को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन यह लीक हो गई। इसके बाद अमेरिका में स्कूलों, अभिभावकों और कई राज्यों ने कैलिफोर्निया की अदालत में टेक कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए। यही वह मोड़ था, जहाँ से ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में बच्चों को टेक कंपनियों के चंगुल से छुड़ाने की मुहिम तेज़ हुई।

सोशल मीडिया का बच्चों की सेहत और शिक्षा पर असर

आज के किशोर औसतन रोज़ 5 घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। यह समय किताबों, खेलकूद, परिवार और वास्तविक संवाद से छीना जा रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया, मीम कल्चर और एआई चैटबॉट्स ने बच्चों की बोलने और लिखने की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित किया है। भाषा संक्षिप्त हो रही है, विचार गहरे नहीं रह गए हैं। ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घट रही है। मानसिक स्वास्थ्य पर इसका असर और भी गंभीर है—चिंता, अवसाद, अकेलापन और आत्मसम्मान की कमी तेजी से बढ़ रही है। वर्चुअल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ में बच्चे अपनी पहचान और आत्मविश्वास खोते जा रहे हैं। सामाजिक भागीदारी घट रही है और करियर से जुड़े लक्ष्य धुंधले पड़ रहे हैं।

प्रतिबंध के बाद भी चुनौतियाँ: सिर्फ़ कानून काफ़ी नहीं

यह सच है कि सिर्फ़ कानून बना देने से समस्या पूरी तरह हल नहीं होगी। ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रतिबंध के बावजूद बच्चे लॉग-आउट मोड में सोशल मीडिया कंटेंट देख सकते हैं। जेन-जी ने स्नैपचैट, रेडिट और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म्स को "सीक्रेट अड्डे" बना लिया है। कई बच्चे अपने डिजिटल फुटप्रिंट्स नियमित रूप से मिटाते हैं। कुछ स्मार्ट बच्चे परिवार, दोस्तों और अंजान लोगों से संपर्क रखने के लिए तीन-तीन अकाउंट्स चला रहे हैं। वीपीएन और डार्क वेब की दुनिया में बच्चों को रोकने के लिए सिर्फ़ कानून नहीं, बल्कि तकनीकी समाधान, डिजिटल साक्षरता और अभिभावकों की सक्रिय भूमिका भी ज़रूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का संदेश: बचपन वापस लाने की कोशिश

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने साफ़ कहा है कि इस नए कानून का मक़सद केवल ऑनलाइन सुरक्षा नहीं, बल्कि "बच्चों का बचपन वापस लाना" है। उनका मानना है कि बचपन स्क्रीन पर नहीं, खेल के मैदान में, किताबों में और सामाजिक रिश्तों में पनपता है। यह बयान दुनिया भर के देशों के लिए एक संदेश है कि आर्थिक लाभ या तकनीकी प्रगति के नाम पर बच्चों की कीमत नहीं चुकाई जा सकती। टेक्नोलॉजी इंसान के लिए है, इंसान टेक्नोलॉजी के लिए नहीं।

नशे की लत: समाज के लिए बड़ी चुनौती

-आर्थिक, मानसिक और सामाजिक कारण बन रहे हैं नशे की जड़

हमारा समाज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहाँ एक नई और गहरी चिंता सिर उठा रही है—नशे की लत। अब तक इसे प्रायः युवाओं की समस्या माना जाता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में महिलाओं के बीच नशे की लत में तेजी से वृद्धि हुई है। यह प्रवृत्ति केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि समाज के भविष्य का भी गंभीर संकट बन रही है। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की एक दर्दनाक घटना ने इस खतरे को उजागर किया, जब नशे की ओवरडोज लेने से एक गर्भवती महिला के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। यह घटना एक चेतावनी है—कि नशे का जाल अब समाज के उस वर्ग तक पहुँच गया है, जिसे अब तक हम सुरक्षा, स्नेह और अनुशासन का प्रतीक मानते रहे हैं।

महिलाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति: एक सामाजिक संकेत

महिलाएं भारतीय परिवार की धुरी होती हैं। घर की नींव, बच्चों की पहली शिक्षक और संस्कार देने वाली पहली संस्था मां ही होती है। ऐसे में अगर वही नशे की गिरफ्त में आ जाए, तो इसका असर केवल उसके शरीर या जीवन तक सीमित नहीं रहता; यह परिवार, बच्चों और समाज की जड़ों तक पहुँच जाता है। पिछले कुछ वर्षों में कई सर्वेक्षणों और रिपोर्टों में यह सामने आया है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक महिलाएं शराब, ड्रग्स, सिगरेट, अफीम, चरस, स्मैक और सिंथेटिक ड्रग्स की गिरफ्त में आने लगी हैं। खासतौर पर 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाएं इस लत से सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं। पहले जहां यह प्रवृत्ति केवल पुरुषों तक सीमित थी, वहीं अब यह लिंग भेद मिटाते हुए समाज के हर तबके में पैर पसार रही है।

कारण: क्यों बढ़ रही है महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति

महिलाओं के नशे की गिरफ्त में आने के पीछे कई गहरे सामाजिक और मानसिक कारण हैं। मानसिक तनाव और अवसाद – आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और घरेलू कलह के बीच महिलाएं अक्सर मानसिक दबाव में रहती हैं। कई बार यह दबाव अवसाद का रूप ले लेता है, और फिर राहत की तलाश में महिलाएं नशे का सहारा ले लेती हैं। आर्थिक तंगी और असुरक्षा – गरीब तबके की महिलाएं अक्सर काम के बोझ और आर्थिक असुरक्षा से जूझती हैं। ऐसे में नशा उन्हें कुछ देर के लिए 'भूल जाने' का भ्रम देता है। फैशन और सोशल इन्फ्लुएंस – शहरी समाज में 'सोशल ड्रिंकिंग' या पार्टी कल्चर को आधुनिकता का प्रतीक मान लिया गया है। कई महिलाएं इसे स्टेटस सिंबल की तरह अपनाती हैं और धीरे-धीरे इसकी आदी हो जाती हैं। टूटी हुई पारिवारिक संरचना – परिवारों में संवाद की कमी, पति-पत्नी के बीच तनाव, एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति ने महिलाओं को भावनात्मक रूप से कमजोर बनाया है। ऐसे में कई महिलाएं अकेलेपन को मिटाने के लिए नशे की शरण में चली जाती हैं। आसानी से उपलब्धता – अब नशे का सामान गांव-कस्बों तक पहुंच गया है। ड्रग्स और शराब की अवैध बिक्री पर नियंत्रण कमजोर हुआ है। इसी वजह से महिलाएं भी आसानी से इस तक पहुँच पा रही हैं।

एक सामाजिक रोग में बदलता नशा

पहले नशा एक व्यक्तिगत कमजोरी या 'आदत' के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह समाज की नसों में घुलता जा रहा है। जब घर की महिलाएं, जो एक पीढ़ी को संस्कार देती हैं, खुद इस गिरफ्त में आती हैं तो उसके दुष्प्रभाव दूरगामी होते हैं। नशे की वजह से न सिर्फ महिला का स्वास्थ्य बिगड़ता है, बल्कि परिवार का आर्थिक ढांचा भी हिल जाता है। बच्चों की परवरिश प्रभावित होती है, घरेलू हिंसा बढ़ती है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। नशा उस आत्म-संयम को खत्म कर देता है जो किसी भी सभ्य समाज की बुनियाद होता है।

महिलाओं पर नशे के स्वास्थ्यगत प्रभाव

महिलाओं का शरीर नशे के प्रभाव को पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से झेलता है। गर्भवती महिलाओं पर असर: नशा गर्भस्थ शिशु के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे के सेवन से बच्चे का जन्म वज़न कम होता है, वह मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग पैदा हो सकता है। हार्मोनल असंतुलन: नशा महिलाओं के हार्मोनल सिस्टम को बिगाड़ देता है, जिससे मासिक चक्र की अनियमितता, प्रजनन संबंधी दिक्कतें और मानसिक अस्थिरता पैदा होती है। मानसिक रोगों का खतरा: नशे के बाद महिलाओं में अवसाद, चिंता, घबराहट, और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

सरकारी उदासीनता और नीतिगत कमी

वर्ष 2024 में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने भी संसद में यह मुद्दा उठाया था कि देश में महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और इसके लिए अलग से नीतियां बननी चाहिए। लेकिन अफसोस, अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान में अधिकांश नशा मुक्ति केंद्र पुरुषों पर केंद्रित हैं। महिलाओं के लिए सुविधाएं सीमित हैं, और जो हैं भी, वहाँ सामाजिक कलंक और असुरक्षा की वजह से महिलाएं जाने से कतराती हैं। सरकार को चाहिए कि वह महिलाओं के लिए अलग नशा मुक्ति नीति बनाए, जिसमें परामर्श, पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को जोड़ा जाए। नशा मुक्ति केंद्रों में महिला चिकित्सक और काउंसलर नियुक्त किए जाएं ताकि पीड़ित महिलाएं खुलकर अपनी बात कह सकें।

समाज की भूमिका: केवल कानून काफी नहीं

नशे की लत का समाधान केवल कानून बनाकर नहीं किया जा सकता। यह एक सामाजिक समस्या है, जिसका हल समाज की भागीदारी से ही संभव है। परिवार में संवाद बढ़ाना जरूरी है। माता-पिता को अपने बच्चों, खासकर बेटियों के साथ संवाद का रिश्ता बनाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। महिला स्वयंसेवी संगठनों को इस दिशा में काम करना चाहिए कि जो महिलाएं नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें सहारा, सलाह और पुनर्वास का अवसर मिले। मीडिया और सिनेमा को भी जिम्मेदारी दिखानी होगी। नशे को ग्लैमर की तरह पेश करने से बचना चाहिए।

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण

भारतीय संस्कृति में नशे को हमेशा से नकारा गया है। चाहे वह गीता की संयम साधना हो या कुरान की "हराम" की अवधारणा—हर धर्म ने इंसान को अपने होश और समझ पर काबू रखने की सीख दी है। महिलाएं जब इस संयम की धारा से भटकती हैं तो समाज की आत्मा आहत होती है। यह जरूरी है कि धार्मिक संस्थान भी नशा विरोधी अभियानों में अपनी भूमिका निभाएं। मस्जिदों, मंदिरों और गुरुद्वारों में नशा मुक्ति के संदेश नियमित रूप से दिए जाएं।

शिक्षा और रोजगार से समाधान की राह

नशे की जड़ केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक भी है। अगर महिलाओं को शिक्षा, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा, तो वे इस दलदल से खुद निकल सकती हैं। सरकार को महिलाओं के लिए रोजगार के छोटे प्रोजेक्ट, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स, और स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम को नशा प्रभावित इलाकों में प्राथमिकता देनी चाहिए। जो महिलाएं नशे से बाहर आना चाहती हैं, उन्हें आर्थिक सहायता और पुनर्वास पैकेज दिए जाएं ताकि वे नया जीवन शुरू कर सकें।

मकर संक्रांति के अवसर पर सातों संभागों में एक साथ आयोजित हुआ भव्य पतंगोत्सव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से पहली बार ऐतिहासिक रूप से राज्य के सातों संभागों में भव्य पतंगोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन के सयुंक्त तत्वाधान में बुधवार को प्रदेश के सातों संभाग— जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर और भरतपुर में एक साथ उक्त काईट फेस्टिवल आयोजित किया गया।

जयपुर में जल महल की पाल पर साकार हुआ भव्य पतंग उत्सव-

राजधानी जयपुर में ऐतिहासिक जल महल की पाल पर हुए मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पतंग उड़ाकर एवं रंगीन गुब्बारे हवा में छोड़कर उत्सव का शुभारंभ किया।

जयपुर के आसमान में थिरकी पतंगे-

जयपुर वासियों और देसी- विदेशी सैलानियों की उपस्थिति में राजस्थान की लोक संस्कृति, पर्यटन और परंपराओं भव्य स्वरूप नज़र आया। जिसमें सभी पतंगबाजी के साथ लोक कलाओं का भी भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में लंगा गायन (भंवर खान, बाड़मेर), कालबेलिया नृत्य (भवानी नाथ समूह, जयपुर), मयूर नृत्य (अशोक कुमार शर्मा, नागौर), गैर नृत्य (भंवर लाल जाट, चित्तौड़गढ़), भपंग वादन (हरीश, बालोतरा), चंग धमाल (धर्मेन्द्र सिंह राजपुरोहित), ढोलक व कच्ची घोड़ी नृत्य (बनवारी लाल जाट, दौसा), पद दंगल (प्रेम मीणा, जयपुर), बैंड वादन (आनंद बैंड, जयपुर), बहुरूपिया (अकबर, बाड़मेर), कठपुतली नृत्य (राजू भाट, जयपुर), रावण हत्था वादन (हनुमान, जयपुर) और शहनाई दल (अली मोहम्मद, जयपुर) की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया साथ ही सालेहा गाजी की अंग्रेजी व राजेश आचार्य की हिन्दी में की गई कमेंट्री को भी दर्शकों ने सराहा। पतंग प्रदर्शनी, पतंग निर्माण का लाइव प्रदर्शन और फैंसी पतंग उड़ान ने उत्सव को विशेष बनाया। पर्यटकों को तिल के लड्, गजक, रेवड़ी और दाल के पकौड़े निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। विदेशी सैलानियों के लिए निःशुल्क पतंगें और ऊंटगाड़ी सवारी भी आकर्षण का केंद्र रही। खुले आसमान में उड़ती रंगीन पतंगों, लोक संगीत और ऐतिहासिक जल महल की पृष्ठभूमि में सजा यह उत्सव देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए यादगार अनुभव बना। गौरतलब है कि यह आयोजन राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन जयपुर,

जयपुर नगर निगम और पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ।

भरतपुर में भव्य पतंग उत्सव-

श्रीमान कलेक्टर,मुख्य कार्यकारी अधिकारी,जिला परिषद,आयुक्त भरतपुर विकास प्राधिकरण ,उपखंड अधिकारी,भरतपुर,वृत्ताधिकारी (IPS),संयुक्त निदेशक , जनसंपर्क विभाग ,जन प्रतिनिधिगण एवं अधिकांश जिला स्तरीय अधिकारीगण,मीडिया कर्मी,प्रबुद्ध जन की उपस्थिति में पतंग उत्सव का आयोजन MSJ कॉलेज ग्राउंड में सम्पन्न हुआ।

जोधपुर में पतंगों ने छुआ आसमान-

पर्यटन विभाग एवं जोधपुर जिला प्रशासन एवं नगर निगम जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को जोधपुर के गांधी मैदान, जोधपुर में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आम जन, स्कूली बच्चों एवं देशी-विदेशी पर्यटकों ने पतंगबाजी एवं गुब्बारे उड़ाकर इस अवसर का आनंद उठाया और तिलपट्टी, गजक एवं तिल के लड्ओं का लुत्फ उठाया। उत्सव में आमजन के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में इजराइल एवं फ्रांस से आए पर्यटकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे आयोजन को अंतरराष्ट्रीय रंग मिला। पतंग उत्सव में जोधपुर के ट्रेवल ट्रेड से जुड़े प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। उत्सव के दौरान सभी सहभागियों को मकर संक्रांति की पारंपरिक मिठाइयाँ वितरित की गईं। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना रहा।

बीकानेर में सैंड ड्यून्स पर्यटक स्थल पर हुई पतंगबाजी-

पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को पतंग उत्सव का आयोजन किया गया। इस पतंग उत्सव में पर्यटन विभाग द्वारा बीकानेर के रायसर सैंड ड्यून्स पर्यटक स्थल पर पतंगबाजी का आयोजन किया गया इस आयोजन में बीकानेर वासियों ने पारंपरिक वेशभूषा पहनकर रायसर के धोरों पर पतंगबाजी की और बीकानेर की पारंपरिक चंदा पतंग को भी उड़ाया गया, इस पतंग उत्सव में सैकड़ो की संख्या में पर्यटकों ने भी भागीदारी की एवं पतंग उत्सव 2026 का रायसर के धोरों पर खूब आनंद उठाया।

अजमेर में पतंग उड़ी गगन में-

मकर संक्रांति के अवसर पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार संभागीय मुख्यालय अजमेर में आनासागर चौपाटी पर बुधवार को पतंग उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। अजमेर की प्रसिद्ध आनासागर चौपाटी रंग-बिरंगी पतंगों से सजी नजर आई। इस उत्सव में स्थानीय निवासियों, पर्यटकों और विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकाश में उड़ती पतंगों ने पूरे वातावरण को जीवंत और उत्सवपूर्ण बना दिया।

SDPI का राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन 20 व 21 जनवरी को

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एस डी पी आई) का राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन आगामी 20 व 21 जनवरी को कर्नाटक के मेंगलोर शहर में आयोजित किया जा रहा है। पार्टी के प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने बताया कि एसडीपीआई के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में देश भर से प्रदेश कमेटियों के प्रतिनिधि इस मे शामिल होंगे, इस दो दिवसीय कार्यक्रम में पार्टी की आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों को वहाँ उपस्थित प्रतिनिधियों के समक्ष चुन कर घोषणा की जाएगी जो कि अगले तीन सालों तक अपना कार्यकाल चलाएगी। इस अवसर पर एसडीपीआई की युवा इकाई की भी घोषणा की जाएगी जो कि जल्दी ही देश भर के युवाओं को एसडीपीआई से जोड़कर राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर अपनी कार्यकारिणी का गठन करेगी। इस आयोजन में राजस्थान प्रदेश कमेटी का प्रतिनिधि मंडल भी सदस्यों के रूप में शामिल रहेगा।

वरदान साबित हो रहे हैं सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रीन एनर्जी को मिल रही गति- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के तहत राज्य में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों ने प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। राजस्थान को ऊर्जा उत्पादन में सरप्लस राज्य बनाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करने में इस योजना का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने यह बात बुधवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर उपखंड स्थित भूपसेड़ा गांव में कुसुम योजना के अन्तर्गत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों के अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कुसुम योजना का लाभ उठाकर अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। इनसे उत्पन्न सौर ऊर्जा का उपयोग किसानों को दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में हो रहा है।

'ग्रामीण विकास को मिल रही मजबूती'-

मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार की यह योजना राज्य सरकार के सहयोग से प्रदेश में ग्रामीण विकास को मजबूती प्रदान कर रही है। घटक-ए और घटक-सी के अंतर्गत किसान या तो स्वयं सौर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं या अपनी अनुपयोगी भूमि लीज पर देकर आर्थिक लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं।

'बलवीर की सफलता ने दी प्रेरणा'-

उन्होंने कहा कि राज्य में विकेंद्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को मिल रही गति ग्रीन एनर्जी क्रांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम है जो आने वाले समय में ग्राम सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कुसुम कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम और कंपोनेंट-सी में द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि भूपसेड़ा में प्रगतिशील किसान बलवीर सिंह मोगर ने सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया और उनसे प्रेरित होकर इस क्षेत्र के कई किसान योजना से जुड़कर ऊर्जादाता भी बन चुके हैं। यह इस योजना को जमीनी स्तर पर मिल रही अभूतपूर्व सफलता को दर्शाता है।

'2800 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित'-

राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि प्रदेश में लगभग 2800 मेगावाट क्षमता की 1274 परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं के कारण सुलभ हो रही ऊर्जा से लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में बदलाव आया है। निर्बाध बिजली मिलने से गांवों में छोटे-छोटे व्यवसाय पनप गए हैं। स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलने लगा है। विद्त वितरण निगमों को सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध हो रही है। प्रदेश में 1 लाख 75 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली दे पाना संभव हुआ है।

गौरतलब है कि भूपसेडा में 5-5 हैक्टेयर क्षेत्र में बने दोनों प्लांट्स से कल्याण नगर और बालावास जीएसएस से जुड़े फीडरों पर क्षेत्रवासियों को भरपूर बिजली मिल रही है। साथ ही बानसूर क्षेत्र में करीब 10 प्लांट स्थापित हो चुके हैं। जिनसे करीब 4 हजार किसानों को दिन में विद्त आपूर्ति कर लाभान्वित किया जा रहा है। कल्याण नगर में 310 एवं बालावास में 362 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में विद्त आपूर्ति कर लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई भी मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री बिश्नोई की अध्यक्षता में हुआ जनसंवाद का आयोजन

-पालडी एम में प्रभारी मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की परिवेदनाएं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई की अध्यक्षता में सिरोही जिले के पालडी एम. में रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उन्होंने रात्रि चौपाल में आमजन की परिवेदनाओं को सुना और संबंधित को निस्तारण के लिए निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आमजन के समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वीबीजीरामजी गांवों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का एक सशक्त माध्यम है इससे गांवों में प्रगति का पथ अग्रसर होगा। वीबीजीरामजी से भारत के विकसित भारत में बदलने की संकल्पना सत्य सिद्ध होगी। गांव मजबूत होंगे तभी देश मजबूत होगा। किसान एवं श्रमिकों के समृद्ध होने से भारत विकसित होगा। यह योजना सिर्फ रोजगार की योजना न हो के गांवों को सशक्त करने का माध्यम है। प्रभारी मंत्री ने इस दौरान ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुनते हुए उन्हें शीघ्र राहत प्रदान करने के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन दोनो ही सामुहिक रूप से क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा नियमित रूप से क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की बात कही एवं

बताया कि भारत अब विश्व में अपनी विशेष पहचान कायम करते हुए निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। रात्रि चौपाल में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को संबंधित दस्तावेज एवं लाभ प्रदान किया गया। रात्रि चौपाल में राजस्व विभाग द्वारा 3 सम्मानजनक नाम दर्ज किए गए। जिसमें बजट घोषणा क्रियान्विति के तहत राजकीय कृषि महाविद्यालय सिरोही उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान को 30 हेक्टेयर भूमि यानि 185 बीघा भूमि आवंटन के भू अभिलेख उपलब्ध कराए व भूमि का कब्जा सुपुर्द दस्तावेज राजकीय महाविद्यालय के सहायक आचार्य को सौपा गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा 4 स्वामित्व कार्ड, 2 जन्म प्रमाण पत्र व 1 विवाह प्रमाण पत्र संबंधित को सौपा गया। महिला अधिकारिता विभाग तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लाडो योजना के लाभार्थियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। वही आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाभार्थियों की गोद भराई की गई। पशुपालन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसी का वितरण किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं में अनुदान की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के दस्तावेज प्रदान किए गए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 31 हजार का चैक पंकुदेवी भगाराम मेघवाल को व मुद्रा ऋण योजना के तहत अनाराम हिरागर को 50 हजार रूपये अनुदान का चैक प्रदान किया गया। सांसद लुंबाराम चौधरी ने रात्रि चौपाल में विभिन्न विभागों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान पशुपालकों, किसानों सहित विभिन्न वर्ग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रत्येक पात्र को लाभान्वित होने की बात कही। जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने रात्रि चौपाल में प्रभारी मंत्री बिश्नोई का स्वागत करते हुए कहा कि रात्रि चौपालों के माध्यम से जनता की समस्याओं का निस्तारण करना एक अनुपम पहल है उन्होंने इस दौरान उपस्थित सभी पात्र को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया।

जानलेवा बनी मकर संक्रांति की पतंगबाजी, जयपुर में कई घायल

जयपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर पूरे देश में खुशी का माहौल है। इतना ही नहीं पूरे देश में मकर संक्रांति के मौके पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। लेकिन पतंगबाजी कुछ जगहों पर जानलेवा साबित हो रही है। बच्चों की पतंगबाजी अगर सुरक्षित स्थान पर नहीं हो रही है तो यह जानलेवा साबित हो रही है। जयपुर में मकर संक्रांति पर पूरे शहर में पतंगबाजी का नजारा देखने को मिला। लेकिन पतंगबाजी के दौरान शहर में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। ऐसे में उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल (SMS Hospital) में गंभीर हालत में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

रौनक और हर्षित की हालत गंभीर

जयपुर में मकर संक्रांति के मौके पर पतंगबाजी के दौरान कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाए जा रहे हैं। इसी में एक बच्चा 5 साल का रौनक जो पतंगबाजी के दौरान छत से गिर गया। रौनक को गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे SMS अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं हर्षित नाम का बच्चा उस वक्त सीढ़ियों से गिर कर घायल हो गया, जब वह पतंग लूट रहा था। इस घटना में उसे भी गंभीर रूप से चोट आई है। दोनों बच्चे गंभीर हालत में SMS अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। वहीं पतंगबाजी की वजह से कई लोगों के गले कट गए हैं। झोटवाड़ा में बस का इंतजार कर रहे राजेश का पूरा पैर कट गया। वे बस में चढ़ने वाले थे इतने में कहीं से मांझा आया

और पैर में उलझ गया। तेजी से खिंचा और पैर कट गया।

पतंगबाजी से घायल 25 केस SMS अस्पताल में आए हैं

इसी तरह के करीब 25 केस अभी तक सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आए हैं। किसी का गला कट गया हैं तो किसी की आंखों पर लगी है। 9 साल की परी का पूरा मुंह छिल गया है। आंख के पास भी चोट है। सक्रांति पर लापरवाही के चलते खुशियों का त्यौहार कुछ लोगों के लिए वेदना और दुःख में बदल रहा है। लगातार ऐसे केस का आना जारी है। ट्रॉमा आपातकाल के नर्सिंग इंचार्ज राजेश कुमार जागा ने बताया कि करीब 25 केस आए हैं। लोगों के गले में गहरे घाव है। ये घाव साधारण मांझे से नहीं हो सकते। चाइनीज मांझे के ही घाव है। 5 बच्चे भी आए हैं जो गिर गए हैं। लगातार गंभीर केस आ रहे हैं।

दानपुण्य का पर्व मकर संक्रांति हर्षोल्लास के साथ में मनाई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में दान पुण्य का पर्व मकर संक्रांति हर्षोल्लास के साथ में मनाई गई। प्रातः काल से ही दान पुण्य का दौर शुरू हुआ जो कि देर रात्रि तक चलता रहा चीटियों को चावल का चूरा, खोपरे का चूरा, पिसी हुई चीनी आटा आदि डाला गया वहीं गायों को रंजका, कबूतरों को ज्वार भी डाला गया। उधर मंदिरों में भीड़ अत्यधिक दिखाई दी इधर महिलाएं परिवार की बुजुर्ग महिला व पुरुषों के पैर छुए इस पर बड़ों ने सदा सुहागन व सदा खुश रहने का आशीर्वाद दिया कुछ लोगों ने परिवार के लोगों को गिफ्ट भी दिए गए। हवा के साथ देने पर पतंगबाजी का अच्छा लुत्फ़ लिया गया । वहीं कमर तोड़ महंगाई और बेरोजगारी के चलते कुछ

लोग मायूस दिखाई दिए क्योकि उनका पतंग बाजी शौक पूरा नही हुआ। कुछ दयालु लोगों ने कंबल वितरण किए गरीबों को खाना भी खिलाया। पतंगबाजी के शौकीन लोग छत्तों पर टेप डेक और लाउडस्पीकर लगाकर फिल्मी गाने बजा रहे थे । "चली चली रे पतंग मेरी चली रे" पतंग काटने पर "वो काटा वो मारा" आदि का शोर गूँज रहा था। इधर पतंग लुटेरे बड़े-बड़े छडे लेकर पतंग लूटने के लोई दौड़ रहे थे। कुछ लोग घायल परिंदों की सेवा करते हुए नजर आए। शाम को आतिषबाजी की गई व बैलून को उड़ाया गया।

राज्य स्तरीय विशाल आरोग्य मेला: 2026, 15 से 18 जनवरी तक जवाहर कला केंद्र में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आयुर्वेद विभाग 15 जनवरी से 18 जनवरी तक राज्य स्तरीय विशाल आरोग्य मेला— 2026 शिल्प कला केंद्र, जेकेके में आयोजित कर रह है। आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद शर्मा ने मेले की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। मेला नोडल अधिकारी डॉ. बत्तीलाल बैरवा (अतिरिक्त निदेशक, आयुर्वेद विभाग, जयपुर संभाग) ने बताया की मेले की पूर्ण तैयारियाँ कर ली गई है। इस राज्य स्तरीय आरोग्य मेले का शुभारंभ 15 जनवरी को उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा करेंगे। उद्घाटन समारोह में सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायकगण कालीचरण सर्राफ, बालमुकुंद आचार्य, गोपाल शर्मा,

पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर तथा आयुष विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार (आईएएस), आयुष विभाग के उप शासन सचिव इन्द्रजीत सिंह भी उपस्थित रहेंगे। आरोग्य मेले में आयुष विभाग द्वारा आयुष की विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी आमजन को दी जाएगी। मेले में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी पद्धतियों की निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, जनसामान्य के लिए आयुष औषधियों की प्रदर्शनी एवं आयुष आधारित जीवनशैली परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। यह विशाल आरोग्य मेला आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। आयुर्वेद विभाग जयपुर के सहायक निदेशक व मेले के प्रेस मीडिया प्रभारी डॉ.लक्ष्मण सैनी ने यह जानकारी दी।

ड्रोन सर्वे में स्टोन क्रेशर यूनिट्स के स्टॉक में अनियमितता का खुलासा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खनि अभियंता श्याम चौधरी ने बताया कि खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा जयपुर जिले की तहसील बस्सी क्षेत्र के हरडी, हरद्यनपुरा, घाटा, कुथाडा एवं बैनाडा में संचालित स्टोन क्रेशर यूनिट्स में उपलब्ध मैसनरी स्टोन स्टॉक का ड्रोन सर्वे कराया गया। सर्वे के दौरान क्रेशर यूनिट्स में दर्ज स्टॉक एवं वास्तविक उपलब्ध स्टॉक में उल्लेखनीय अंतर पाए जाने से अनियमितता का खुलासा हुआ है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार कराए गए ड्रोन सर्वे एवं पश्चात जांच के उपरांत कुल 12 स्टोन क्रेशर यूनिट्स के विरुद्ध कार्रवाई

की गई है। इन यूनिट्स पर 80 लाख 36 हजार रुपये की शास्ति राशि निर्धारित करते हुए वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। खनन विभाग के अनुसार, राज्य सरकार की अवैध खनन एवं खनिजों के अनियमित भंडारण के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा भविष्य में भी आधुनिक तकनीकों, विशेषकर ड्रोन सर्वे, के माध्यम से सतत निगरानी एवं प्रभावी कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

सीएम शर्मा की युवाओं को एक लाख नौकरियाँ देने की घोषणा पर महेंद्र कसाना ने आभार व्यक्त किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। युवा दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा युवाओं को एक लाख नौकरियाँ देने की घोषणा पूरे प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार राजस्थान में रोजगार के वादों को लगातार पूरा कर रही है। इसके लिए युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

महेंद्र कसाना ने मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

गरीबों की सेवा करने से मन को सुकून मिलता - महेश चंद बजाज

-महेश चंद बजाज ने गरीबों को कम्बल व कपड़े वितरण करवाए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। व्योवृद्ध परम सम्मानीय सत्तायु स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद बजाज के सपुत्र महेश चंद बजाज ने गरीबों को कम्बल व कपड़े वितरण करवाए है बजाज को दिखावा बिल्कुल भी पसन्द नही है ये गुप्त दान करके खुश रहते है इनका दिल आसमान से बड़ा और समुंदर से गहरा है ये दिल के बहुत बड़े अमीर है इनकी चौखट पर दुःखी या गरीब जो भी मांगने जाते है कभी भी खाली हाथ नही लौटते हैं। सामूहिक विवाह सम्मेलन विद्यालय गरीबों की बढ़ चढ़कर मदद करते है इनकी सबसे बड़ी ख़ासियत ये है कि ईनको दिखावे से परहेज़ है जबकि लोग एक रुपया भी देते

है तो फोटो खींचकर ढिंढोरा पीटते है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहपुरा के राजकीय उप चिकित्सालय, मोक्षधाम, घासीपुरा गौशाला निर्माण व अग्रसेन भवन के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले समाजसेवी व गौ रक्षक शाहपुरा निवासी स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद और बजाज भी दयालु इंसान थे । महेश चंद बजाज भी अपने पिताजी की तरह सबका भला करते रहते है। ग़रीब व जरूरतमंदों ने कहा कि- महेश चंद बजाज की गरीबों की सेवा करने की भावना सचमुच प्रेरणादायक है। बजाज ने गरीबों को कम्बल और कपड़े वितरण करके उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया है। यह दिखाता है कि वे दिल से अमीर हैं और दूसरों की मदद करने में विश्वास रखते हैं। उपस्तीथ लोगो ने कहा कि- बजाज की यह पहल न केवल गरीबों के लिए मददगार है, बल्कि यह समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देती है। उनकी इस सेवा भावना को सलाम हैं।

मुस्लिम युवा फाउंडेशन पाली द्वारा "स्वच्छ पाली, स्वस्थ पाली" कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन पाली के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था के तत्वावधान में शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से "स्वच्छ पाली, स्वस्थ पाली" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मस्तान बाबा दरगाह के समीप आयोजित हुआ, जहां आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम पाली आयुक्त नवीन भारद्वाज, स्वास्थ्य अधिकारी कलीम अशरफ, मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, कांग्रेस नेता हाजी मेहबूब टी, भाजपा नेता जहीर मकरानी, अजीज कोहिनूर एवं अब्दुल रज्जाक चढ़वा, ताराचन्द चंदानी, अजीज फौजदार ने शिरकत की। सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए आमजन से कचरा निर्धारित स्थान पर डालने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करने का आह्वान किया। मुस्लिम युवा

फाउंडेशन पाली के अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य से ही नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़कर उनमें सकारात्मक सोच एवं सेवा भावना विकसित करना फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य है। फाउंडेशन के प्रवक्ता सदाकत अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया और इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों, सहभागियों एवं सहयोग करने वाले नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर फाउंडेशन के सत्तार पठान, जाकिर गौरी, फकीर मोहम्मद, सत्तार भाटी, अयूब सुलेमानी, रमजान सामरिया, सलीम हबीबी, मुकद्दर अली, खालिद कादरी, अबुबकर,परवेज अंसारी, मो. यासीन, गौश मोहम्मद, मोहसिन, इस्माइल गोरी, समीर गौरी, हसन भाटी, हाफिज तहसीन, गुड् रामपुर, जावेद जिलानी, रिजवान चढ़वा, हुसैन अजमेरी, सद्दाम सिलावट, साबिर भाटी, हाजी इरफान, मो.साजिद, हसन JM, मकबूल अहमद, साहिल नागौरी सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

गुड़-तिल्ली के साथ सड़क सुरक्षा की मीठी मनुहार

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत मकर संक्रांति पर्व पर बुधवार को जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा की अगुवाई में वाहन चालकों से गुड़-तिल्ली के साथ यातायात नियमों की पालना की मीठी मनुहार की गई। अभियान में जिला सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशन में एनजीओ सदस्य हरीश कुमार, प्रोग्राम मैनेजर प्रमोद पांडे द्वारा जिले के ग्राम सोरसन माताजी, बैंगना, बैंगनी, श्यामपुरा, गजनपुरा, सहित शहर के दीनदयाल पार्क, अंबेडकर सर्किल, चारमूर्ति चौराहा, प्रताप चौक, विवेकानंद सर्किल पर गुड़ और तिल्ली बांटकर वाहन चालकों से सड़कों पर सुरक्षित आवागमन के लिए नियमों की पालना की मीठी मनुहार की। सबसे समझाइश की गई कि जब भी दोपहिया वाहन चलाएं

तब अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट लगाएं। चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाएं। अभियान में महिला-पुरषों को पंपलेट के साथ गजक रेवड़ी बांटकर सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गई। हेलमेट और यातायात के नियमों के बारे में बताया तथा लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। मारुति शोरूम पर सड़क सुरक्षा कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें भाटिया मोटर्स के कर्मचारियों और ग्राहकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. शर्मा ने सड़क हादसे की एक मार्मिक घटना सुनाते हुए सड़कों पर विशेष सावधानी बरतने के लिए समझाईश की। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी तक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर भाटिया मोटर्स के मैनेजर संदीप शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया। इसी क्रम में एनजीओ सदस्य रघुवीर ने मनरेगा के मजदूरों के बीच सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया।

शाफिया जुबैर बनी महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बनने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर - चौहान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आल इंडिया महिला कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान रामगढ़ (अलवर) से पूर्व विधायक श्रीमती साफिया जुबैर खान को आल इंडिया महिला कांग्रेस में राष्ट्रीय महासचिव बनने पर कांग्रेस जनों में उत्साह। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि पूर्व विधायक साफिया खान पत्नी पूर्व विधायक जुबैर खान को बनाने पर आल इंडिया कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस के नेताओं का आभार प्रकट करते हैं । चौहान

ने कहा स्वर्गीय जुबैर खान राष्ट्रीय कांग्रेस में अपनी पहचान रखने वाले वरिष्ठ नेता थे, महिला कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव शाफिया जुबैर के बनने पर यह कमी को पूरा करने का प्रयास पार्टी नेतृत्व ने किया है, हमे आशा और विश्वास है जुबैर खान के अधूरे कार्यों का पूरा करेंगे। इस अवसर पर आथूना मोहल्ला में कांग्रेस जनों ने मिठाई खिलाकर ख़ुशी का इजहार करते हुए अज़ीज़ खान, असलम मोयल, तौफीक खान,सिराज खान जोइया, सलीम मिस्त्री, काज़ी अब्बास आगवान, सलीम पि ए, नसीर अली, जाफर खान चायल, मनफूल अली आदि ने शाफिया जुबैर को बधाई दी और कांग्रेस पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद किया ।

महाविद्यालय में हुआ स्वीप पतंग महोत्सव का आयोजन

-युवाओं ने पतंग उड़ा कर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

बारां (रॉयल पत्रिका) । 14 जनवरी मकर संक्रांति के पावन पर्व पर राजकीय महाविद्यालय में स्वीप अंतर्गत पतंग महोत्सव का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना सप्ताह अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में युवाओं के मतदाता सूची में शत प्रतिशत पंजीयन के उद्देश्य से पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य भगवान सिंह मीणा ने कहा कि पतंग हमे लक्ष्य-निर्धारण कर चुनौतियों का सामना करने, ऊंचाइयों को छूने का संदेश देती है, इस तरह हमें शिक्षा के माध्यम से जीवन में सफलता की और बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने मतदान का संकल्प कराते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए युवाओं का मतदाता बनना आवश्यक है, क्योंकि पंजीकरण एक जीवंत, समावेशी और मज़बूत सहभागिता वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी है, ऐसे में मतदान के प्रति युवाओं में रुचि जागृत करते हुए मतदाता पंजीकरण शत प्रतिशत होना ज़रूरी है, इसलिए जो विद्यार्थी 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं वह अपना मतदाता के रूप में पंजीकरण अवश्य करें तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करें, इस दौरान विद्यार्थियों को निर्वाचन सेवा पोर्टल www.Eci.gov.in तथा वीएचए के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करने की प्रक्रिया भी समझायी गई।

पतंग पर स्लोगन लिख दिया मतदान करने का संदेश

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पतंगो पर VHA, ECINET ऐप, उम्र 18 खुशी अपार नाम जुड़ेगा अबकी बार, जैसे मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखकर पतंगबाजी का प्रदर्शन किया, इस दौरान प्राचार्य भगवान सिंह मीणा, स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव एवं ईएलसी प्रभारी वी पी सिंह गुर्जर द्वारा मतदान जागरूकता स्लोगन लिखी पतंगे उड़ाई गई। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी सांवरा राम, चंदनमल, शुभांगी जैन, जिला संयोजक रामकेश मीणा, सी बी शर्मा, ईएलसी सदस्य एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहें।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने किया 33/11 KV GSS का लोकार्पण और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन

-ग्रामीणों को मिलेगी बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र के सालिमपुर गांव में बुधवार को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल जी मीणा के द्वारा 33/11 KV GSS (लागत 2 करोड़ रुपए) का लोकार्पण किया गया, जिससे आस पास के गांवों में बिजली की समस्या का समाधान होगा और किसानों को सुचारू रूप से बिजली मिल सकेगी।इस अवसर पर डॉ. मीणा ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है, और वे इस दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजली की समस्या का समाधान होने से किसानों को खेती करने में आसानी होगी, और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इसके पश्चात, डॉ. किरोडी लाल

मीणा ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (लागत 2 करोड़ रुपए) का भूमि पूजन भी किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विकास भी उनकी प्राथमिकता है, और वे इस दिशा में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. मीणा ने स्थानीय संस्कृति और भाईचारे के प्रतीक विशाल कुश्ती दंगल में शिरकत कर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में कुश्ती खेल के प्रति यह जोश देखकर मन प्रसन्न हो गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

करौली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अनैतिक देह व्यापार के विरुद्ध पीटा एक्ट के तहत गिरफ्तारियां

हनीस शेख, कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक लोकश सोनवाल के निर्देशन में करौली जिले में अनैतिक देह व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना नई मंडी हिंडौन सिटी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अभियान के अंतर्गत पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 3 महिलाओं एवं 2 पुरुषों को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई में एक होटल संचालक भी शामिल बताया गया है। पुलिस

अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिंडौन सिटी के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी हिंडौन के सुपरविजन में पुलिस टीम का गठन कर कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर टीम ने होटल की आड़ में संचालित गतिविधियों की जांच की, जिस पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पतंग उड़ाते समय 8 वर्षीय बालक की डिग्गी में गिरने से मौत, गांव में मातम

निशान सतराना

घड़साना/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मकर संक्रांति के पर्व पर जहां चारों ओर उत्सव का माहौल था, वहीं घड़साना क्षेत्र के गांव 2 STR में एक दर्दनाक हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। गांव में पतंग उड़ाते समय 8 वर्षीय बालक नवीन पुत्र रूपराम बावरी की पानी की डिग्गी में गिरने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवीन मकर संक्रांति के

अवसर पर अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह पास ही स्थित पानी की डिग्गी में गिर गया। परिजनों ने तुरंत बालक को बाहर निकालकर घड़साना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बालक की असामयिक मौत की खबर फैलते ही पूरे गांव 2 STR में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों ने घटना पर गहरा दुख जताया है। त्योहार के दिन हुई इस दुर्घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

दुल्हापुरा गांव में नाली का पानी भरने से लोगों का जीना मुश्किल

-प्रशासन से समाधान की गुहार, पिछले कुछ वर्षों से नहीं हुआ कोई भी काम ग्रामीणों में भारी आक्रोश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दुल्हापुरा गांव के सभी रास्तों में सभी मोहल्लों में कच्ची रोड पर नाली का पानी भरने से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में तो हालत और भी बदतर हो जाती है, जिससे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है, बुजुर्गों को चलने में दिक्कत होती है, और सर्वसमाज के लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और विधायक कोटे से दुल्हापुरा गांव में विकास कार्य के लिए फंड पास नहीं होता है, या फिर आता भी है तो उसका सही तरीके से उपयोग नहीं किया जाता है। उन्होंने प्रशासन से

अनुरोध किया है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, और उन्हें अपने बच्चों को स्कूल भेजने में भी डर लगता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का समाधान करने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। हमारे गांव में विकास कार्य के लिए फंड आता है, लेकिन उसका सही तरीके से उपयोग नहीं किया जाता है। हमें अपने बच्चों को स्कूल भेजने में डर लगता है, क्योंकि रोड पर नाली का पानी भर जाता है। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। हमें अपने बुजुर्गों की चिंता है, जो इस समस्या के कारण परेशान हो रहे हैं।"

जरूरतमंदों की मदद करने से मन प्रसन्न रहता है - नरेश रावत

सचिन शैडवाल

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से समाजसेवियों ने साधु संतों के बीच मनाया संक्रांति का पर्व संक्रांति के अवसर पर अन्नपूर्णा रसोई के परियोजना अधिकारी नरेश रावत ने जानना अस्पताल के सामने रसोई पर उपस्थित हुए इस दौरान सभी ने उनका माला पहनकर एवं शॉल उड़कर स्वागत किया। रावत ने कहा कि मंकर संक्रांति दानपुण्य का महापर्व है यह फलदायी अवसर है, रावत एवं समाजसेवियों के हाथों से कंबल वितरण किए गए एवं उनको बिठाकर भोजन प्रसादी खिलाई, रावत ने कहा जरूरतमंदों की मदद करने से मन प्रसन्न रहता हैं, पूर्व उप शिक्षा निदेशक गणेश कुमार धाकरे ने कहा कि अन्न दान से बड़ा कोई दान नहीं, पूर्व प्राचार्य दयाकांत सक्सेना ने कहा कि दानपुण्य हमारी सनातन संस्कृति का हिस्सा है इसमें हमको बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए । कार्यक्रम में भामाशाह राजीव सक्सेना, मनीष सक्सेना, प्रशांत शर्मा, अंजू श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार, निर्मल गर्ग, मुकेश सक्सेना, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय, चित्रांश वंशज महासभा, योगेश कांत, दिवाकांत, शोभित सक्सैना, कृष्णा कुमार परमार, मुन्ना खान, मुन्नी देवी, विशाल माहौर आदि लोक उपस्थित रहे।

गीतांजली विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का परिसर रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर नजर आया और चारों ओर उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की लीडरशिप टीम, प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से पतंग उड़ाने और पारंपरिक खेल सितोलिया खेलकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत किया। मकर संक्रांति के इस आयोजन का

उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के बीच आपसी सौहार्द, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला तथा सभी ने इस पर्व को मिल-जुलकर मनाने का आनंद उठाया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने और सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। आयोजन ने गीतांजली विश्वविद्यालय के पारिवारिक एवं सांस्कृतिक परिवेश को और अधिक सशक्त किया।

दो कर्मचारियों के निलंबन पर संयुक्त संघर्ष समिति का ऐलान

-बुधवार से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी ओर कार्य बहिष्कार करने की मांग

निशान सतराना

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर डिस्कॉम में कर्मचारियों के निलंबन को लेकर भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। संयुक्त संघर्ष समिति जोधपुर डिस्कॉम, घड़साना ने मानकेश मीणा एवं हरजीत गिल के निलंबन आदेश को पूर्णत अन्यायपूर्ण, तथ्यों से परे और विभागीय नियमों के खिलाफ बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समिति ने बताया कि 12 जनवरी 2026 को अधीक्षण अभियंता, जोधपुर डिस्कॉम, श्रीगंगानगर द्वारा दोनों कर्मचारियों को निलंबित किया गया, जिसे कर्मचारी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे। निलंबन के विरोध में 13 जनवरी को समस्त कर्मचारियों ने एकजुट होकर तीव्र रोष व्यक्त किया। संयुक्त संघर्ष समिति की सर्वसम्मत बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यदि निलंबन आदेश

को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर संबंधित कर्मचारियों को यथास्थान कार्यग्रहण नहीं करवाया गया, तो बुधवार से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन ओर कार्य बहिष्कार एवं आंदोलन शुरू किया जाएगा। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की प्रशासनिक, राजस्व अथवा उपभोक्ता संबंधी अव्यवस्था की पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय प्रशासन की होगी। कर्मचारी संगठन ने विभागीय उच्चाधिकारियों से मामले की गंभीरता को समझते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। निलंबन के खिलाफ बिजली कर्मचारियों का बिगुल जोधपुर डिस्कॉम में बुधवार से धरना-प्रदर्शन जारी कर चेतावनी दी है अगर मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 15 जनवरी को

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 15 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे जिला परिषद सभागार में आयोजित होगी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरधर ने बताया कि जिला प्रमुख की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गत बैठक की कार्यवाही का पठन व अनुमोदन, वर्ष 2022-23 व वर्ष 2023-24 एसएफसी/एफएफसी जिला परिषद मद के पूरक प्लान पर चर्चा व अनुमोदन होगा। इसके पश्चात पंचायती राज विभाग में हस्तांतरित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, प्रारम्भिक शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की जिला स्तर तक की हस्तांतरित निधियां, गतिविधियां एवं स्टाफ के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के क्रियाकलाप पर चर्चा की जायेगी।

कांग्रेस नेत्री शालिनी शर्मा ने अपने पति और पुत्र के साथ मकर संक्रांति पर किया दान पुण्य

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस दिन लोगों ने सुबह से ही घर से बाहर निकाल कर दान पुण्य में कंबल, मूंगफली तिल लड् सहित अन्य सामग्री का वितरण किया। इसी दौरान धौलपुर जिला कांग्रेस कि उपाध्यक्ष शालिनी शर्मा ने अपने पति डॉ. नीरज शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ और बेटे अदबित शर्मा के साथ मंकर संक्रांति के मौके पर अपने विधानसभा क्षेत्र में तिल गुड़ और फल व गर्म कपड़ों का वितरण किया। और सभी जिले वासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। इस दौरान कांग्रेस नेत्री शालिनी शर्मा ने कहा कि यह पर्व तो एक बहाने होते हैं हमें एक दूसरे का

सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो जाता है। राजनीति हो या फिर सामान्य जिंदगी इंसानियत सबसे बड़ा धर्म होता है। ईश्वर ने हमें इस लायक बनाया है कि हम एक दूसरे की मदद करके आगे बढ़े और सुख-दुख के साथी बने मैं अपील करूंगी उन लोगों से कि इस कड़ाके की सर्दी में अगर आपको कोई बेसहारा मिल जाए तो आप संक्रांति जैसे पर्व का इंतजार ना करें बल्कि उस बेसहारों का सहारा बनाकर उसकी मदद करे। क्योंकि नर सेवा ही नारायण सेवा होती है हम अपने आप को बड़े भाग्यशाली समझते हैं कि ईश्वर ने हमें इस लायक बनाया है कि हम किसी की खुशी में शामिल होकर उसकी मदद कर पाए।

एक्सिस मैक्स लाइफ ने छात्रों के लिए की टर्म प्लान की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने छात्रों के लिए स्मार्ट टर्म प्लान प्लस की पेशकश की है। इस टर्म प्लान से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवा 2 करोड़ रुपये तक का लाइफ कवर प्राप्त कर सकेंगे। यह कमाई नहीं कर रहे (नॉन अर्निंग) लोगों को आमतौर पर मिलने वाली लिमिट से कहीं ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के पहले मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। एक्सिस मैक्स लाइफ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड प्रोडक्ट मैनेजमेंट एंड ई-कॉमर्स चैनल वैभव कुमार ने कहा 2047 तक सभी के लिए बीमा' (इंश्योरेंस फॉर ऑल बाय 2047) के लक्ष्य को साकार करने के लिए हमें प्रोटेक्शन नेट को नए उभरते सेगमेंट तक विस्तार देना होगा। महिलाओं के लिए टर्म प्लान की सफलता के बाद छात्रों को केंद्र में रखकर लाया गया यह प्लान फर्स्ट-टाइम कस्टमर के तौर पर छात्रों को कवर करने की दिशा में स्वाभाविक कदम है। जीवन के शुरुआती स्तर पर लाइफ कवर प्रदान करते हुए हम सिर्फ टैक्स बचाने वाले कदम के बजाय फाइनेंशियल मैच्योरिटी के पड़ाव के तौर पर इंश्योरेंस को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। छात्रों के पास भले ही आय का कोई प्रमाण न हो, लेकिन उनकी संभावनाएं अपार है। इनोवेटिव अंडरराइटिंग प्रोसेस के माध्यम से हम उन्हें कम प्रीमियम को लॉक करने और समय रहते अपने भविष्य को सुरक्षित करने का मौका दे रहे हैं। इस पहल से सुनिश्चित होगा कि भारत के युवा अपने शुरुआती वर्षों से ही अपने परिवार के लिए सुरक्षा के मजबूत आधार के साथ अपने प्रोफेशनल सफर की शुरुआत करें।' लाइफ इंश्योरेंस की शुरुआत करने की औसत उम्र को 35 से 18 साल करने के लक्ष्य के साथ एक्सिस मैक्स लाइफ प्रोटेक्शन गैप की समस्या को दूर करने का प्रयास कर रही है। अभी तक व्यक्तिगत स्तर पर आय का कोई प्रमाण न होने के कारण ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे युवाओं को इस प्रोटेक्शन कवर का विकल्प नहीं मिलता था। इस नए प्लान से इस गैप को भरने और देश की भावी पीढ़ी को जॉब मार्केट में कदम रखने से पहले ही वित्तीय रूप से अनुशासित बनाने में मदद मिलेगी। ग्राहकों के लिए यह कम प्रीमियम को लॉक करने का अवसर है, जिससे भविष्य में लाभ होगा।

स्वच्छता और वेलबीइंग को नई दिशा दे रहे हैं युवा इनोवेटर्स

मुंबई, एजेंसी। हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजी अब केवल भविष्य की बात नहीं रह गई है—यह आज ही डायग्नोस्टिक्स (जांच), देखभाल और मरीजों के जीवन की गरिमा को नया रूप दे रही है। इसी बदलाव को दर्शाते हुए सैमसंग के फ्लैगशिप सीएसआर प्रोग्राम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमौरो (एसएफटी-एसएफटी) 2025' ने, आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर, देशभर के हज़ारों छात्रों को एक चुनौती दी। विषय था— 卐स्वास्थ्य, स्वच्छता और वेलबीइंग का भविष्य卐, जिसके तहत उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित और इंसान को केंद्र में रखने वाले समाधान तैयार करने थे। असली चुनौतियों, ज़मीनी समाधान छात्रों को ऐसे हेल्थ-टेक समाधान बनाने के लिए आमंत्रित किया गया जो सुलभ और किफायती हों। इनका उद्देश्य स्वच्छता, साफ-सफाई, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और बीमारियों की रोकथाम जैसी चुनौतियों का हल निकालना था—ताकि बेहतर स्वास्थ्य केवल कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि सबका हक बने। बेहतर कल के लिए व्यावहारिक तकनीक एल्केमिस्ट, बीआरएचएम, हीयर ब्राइट और पिंक ब्रिगेडियर्स जैसी टीमों ने ऐसे इनोवेशन पेश किए जो सीधे तौर पर मानवीय गरिमा और स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुंच पर केंद्रित हैं। इनमें मल्टी-जॉइंट बायोनिक हाथ, बीमारियों की शुरुआती पहचान करने वाले एआई टूल्स, महिलाओं के ब्रेस्ट हेल्थ (स्तन स्वास्थ्य) की निगरानी करने वाले ऐप्स और भारत की भाषाई विविधता के हिसाब से बने स्पीच-रिकग्निशन डिवाइसेज शामिल हैं।

आर्थिक महाशक्ति चीन की डगमगाती अर्थव्यवस्था

कर्ज का पहाड़ और सरकारी दावों पर सवाल

ब्लूमबर्ग, एजेंसी। खबर बीजिंग से है। दुनिया के सामने चीन खुद को आधुनिकता, तेज रफ्तार विकास और आर्थिक महाशक्ति के रूप में पेश करता रहा है। ऊंची गगनचुंबी इमारतें, बुलेट ट्रेनों का विशाल नेटवर्क और वैश्विक बाजारों में बढ़ती मौजूदगी उसकी इसी छवि को मजबूत करती हैं, लेकिन इस चमक के पीछे एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जो आने वाले समय में बड़े आर्थिक संकट का कारण बन सकती है।

ब्लूमबर्ग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की ताजा रिपोर्ट्स ने साफ किया है कि चीन की अर्थव्यवस्था भीतर से कमजोर होती जा रही है और कर्ज का बोझ खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन इस वक्त डिफ्लेशन यानी अपस्फीति की चपेट में है। बाजारों में सामान की कोई कमी नहीं है, लेकिन ग्राहक लगातार गायब होते जा रहे हैं। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते चीन में करीब 70 रोजमर्रा के उत्पादों की कीमतें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से भी ज्यादा तेजी से गिर रही हैं।

फैक्ट्रियां लगातार उत्पादन कर रही हैं, पर घरेलू खपत कमजोर बनी हुई है। कंपनियों को माल बेचने के लिए कीमतें इतनी घटानी पड़ रही हैं कि मुनाफा

कमाना तो दूर, लागत निकालना भी चुनौती बन गया है। रिपोर्ट में चीन के बढ़ते कर्ज को सबसे बड़ी चिंता बताया गया है। भले ही बीजिंग सरकार जीडीपी को पांच प्रतिशत के आसपास दिखा रही हो, लेकिन स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज के आंकड़े कहीं ज्यादा गंभीर तस्वीर पेश करते हैं। अनुमान है कि 2025 के अंत तक चीन का सरकारी कर्ज करीब 18.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, बाहरी कर्ज 2.37 से 2.44 ट्रिलियन डॉलर के बीच आंका जा रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति निजी और घरेलू कर्ज की है। निजी क्षेत्र का कर्ज इतनी तेजी से बढ़ा है कि वह अब चीन की जीडीपी के बराबर या उससे भी अधिक स्तर पर पहुंच चुका है। वर्ष 2016 में जहां कर्ज-जीडीपी अनुपात 106 प्रतिशत था, वहीं अब यह कई गुना बढ़कर अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के विश्लेषण के अनुसार, चीन का सेवा क्षेत्र पिछले कुछ महीनों में लगातार कमजोर पड़ा है। हालात यह हैं कि सेवाओं से जुड़ा ग्रोथ इंडेक्स छह महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। होटल, ट्रैवल, रिटेल और बिजनेस सर्विसेज जैसे सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कमजोर घरेलू मांग और उपभोक्ताओं के सतर्क खर्च का असर सीधे इस सेक्टर पर दिख रहा है। इतने भारी कर्ज के बावजूद चीन की जीडीपी में बढ़ोतरी का मुख्य कारण निर्यात बताया जा रहा है। घरेलू बाजार में न बिक पाने वाला माल चीन आक्रामक तरीके से विदेशी बाजारों में भेज रहा है। दशकों में चीन की प्रति व्यक्ति आय जरूर बढ़ी है।1960 के दशक में 100 डॉलर से भी कम रहने वाली प्रति व्यक्ति जीडीपी 2024-25 में करीब 13,800 डॉलर तक पहुंच गई है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह तरक्की कर्ज और निर्यात की बैसाखियों पर टिकी हुई है। आर्थिक इतिहास गवाह है कि जब किसी देश का कर्ज उसकी वास्तविक आय और उत्पादन क्षमता से तेज बढ़ता है, तो संकट टलना मुश्किल हो जाता है। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट चेतावनी देती है कि चीन आज उसी नाजुक मोड़ पर खड़ा है। चमकदार विकास के पीछे छिपा कर्ज का गड्ढा अगर समय रहते नहीं संभाला गया, तो यह न सिर्फ चीन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा झटका साबित हो सकता है।

अनस्टॉपेबल हाई-परफोर्मेन्स ड्राइव

ग्रोथ के साथ सालाना सेल्स में दर्ज किए रिकॉर्ड-तोड़ आंकड़े

गुरूग्राम, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने एक बार फिर से कारों की अबतक की

अधिकतम सालाना बिक्री के साथ कारोबार के डायनामिकमाहौल में लगातार बेहतरीन परफोर्मेन्स प्रदर्शित किया है। कंपनी नेकैलेंडर वर्ष 2025 में 18,001 कारें बेचीं और इस दृष्टि से सालाना 14 फीसदी से भी अधिक बढ़ोतरी दर्ज की है। इस अवधि के दौरान बीएमडब्ल्यू ने17,721 युनिट्स तथा मिनी ने 730 युनिट्स डिलीवर कीं। वहीं बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने 5,841 मोटरसाइकलों की डिलीवरी दी।

ब्राण्ड की मजबूती और भारतीय उपभोक्ताओं में इसके प्रति खास लगावके चलते बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने दो अंकों में विकास तथा पिछले चारसालों में अब तक की अधिकतम सेल्स दर्ज की है। 2025 में हर महीनेऔर हर तिमाही में अब तक की अधिकतम सेल्स परफोर्मेन्स देखने कोमिली, तिमाही की ग्रोथ रेट भारत में एवरेज लक्ज़री सेगमेन्ट से अधिकरही। चौथी तिमाही यानि अक्टूबर से दिसम्बर के दौरान कारों कीअधिकतम बिक्री दर्ज करते हुए 6023 युनिट्स बेची गईं, इस दृष्टि से 17 फीसदी सालाना से अधिक बढ़ोतरी हुई। इस अवसर पर श्री हरदीप सिंह ब्रार, प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, ''2025 बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के लिए रिकॉर्ड-तोड़साल रहा है, इस दौरान हमने अब तक की अधिकतम सेल्स दर्ज की।हमने कारों की बिक्री में 18,000 युनिट्स का आंकड़ा पार कर लिया, वास्तव में हम 14 फीसदी से अधिक की ज़बरदस्त रेट के साथ आगे बढ़रहे हैं, जो लक्ज़री सेगमेन्ट में एवरेज ग्रोथ रेट से काफी अधिक है। येआंकड़े उपभोक्ताओं के हमारे ब्राण्ड में भरोसे और उनकी महत्वाकांक्षाओंकी पुष्टि करते हैं। सभी सेगमेन्ट्स में सेल्स के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैंफिर चाहे इंटरनल कंबशन इंजन हों, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एसएवी यासेडान या लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल्स। लक्ज़री इलेक्ट्रिक सेगमेन्ट में हमारानेतृत्व न सिर्फ सस्टेनेबल मोबिलिटी को गति प्रदान कर रहा है।

सरकारी कंपनी के आईपीओपर पैसे लगाने की होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत कोकिंग कोल के आईपीओको लेकर निवेशकों के लिए एक अहम अपडेट सामने आया है। जिस लिस्टिंग का सभी को बेसब्री से इंतजार था, उसमें अब हल्की देरी हो सकती है। दरअसल, 15 जनवरी को शेयर बाजार बंद रहने के चलते आईपीओकी प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इस वजह से बीसीसीएल का शेयर बाजार में डेब्यू तय तारीख से आगे खिसक सकता है, हालांकि इस पर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 10.6 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। यह करीबन 46 पर्सेंट मुनाफे के साथ लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। दो दिन में इस आईपीओ को करीबन 34 गुना सब्सक्राइब किया गया है। जानकारी के मुताबिक, 15 जनवरी को महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव होने की वजह से बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग बंद रहेगी। यह दिन सिर्फ बाजार बंद रहने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसे सेटलमेंट हॉलिडे भी माना जाएगा। ऐसे में आईपीओसे जुड़े अहम काम, जैसे रिफंड की प्रक्रिया और डिमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट होना, समय पर पूरे नहीं हो पाएंगे। आमतौर पर आईपीओबंद होने के बाद ये सभी स्टेप्स एक तय क्रम में पूरे होते हैं, लेकिन बीच में छुट्टी आने से यह चक्र टूट सकता है। बीसीसीएल आईपीओकी टेंटेटिव लिस्टिंग डेट 16 जनवरी रखी गई थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए बाजार के जानकारों का मानना है कि अब इसकी लिस्टिंग 19 जनवरी तक टल सकती है। बयान नहीं आया है, इसलिए निवेशकों को अलर्ट रहने की सलाह दी जा रही है। बता दें कि भारत कोकिंग कोल का आईपीओ निवेशकों के बीच पहले ही जबरदस्त चर्चा में रहा है और इसे शानदार सब्सक्रिप्शन मिला है। आज दूसरे दिन कंपनी के आईपीओ को करीबन 33.89 गुना सब्सक्राइब किया गया। बता दें कि मजबूत ग्रे मार्केट प्रीमियम और कंपनी की प्रोफाइल को देखते हुए लिस्टिंग को लेकर काफी उत्साह है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि एक्सचेंज की ओर से लिस्टिंग डेट को लेकर क्या अंतिम फैसला लिया जाता है।

सैमसंग सीईएस 2026 में सी-लेब स्टार्टअप्स को करेगा प्रदर्शित

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज घोषणा की कि वह सीईएस 2026–दुनिया की सबसे बड़ी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी प्रदर्शनी–में अपने सी-लेब कार्यक्रम के समर्थन वाले नए प्रोजेक्ट्स और स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करेगा। यह प्रदर्शनी 6 से 9 जनवरी 2026 तक आयोजित होगी। इन स्टार्टअप्स के नवाचार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और डिजिटल हेल्थ जैसे क्षेत्रों में हैं।

सीईएस 2026 में सैमसंग एक समर्पित सी-लेब एग्ज़ीबिशन ज़ोन संचालित करेगा, जो वेनेशियन एक्सपो के यूरेका पार्क में स्थित होगा। यह क्षेत्र सीईएसका स्टार्टअप हब है, जहां सी-लेब से जुड़े स्टार्टअप्स अपनी नवीन तकनीकों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेंगे।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन सेंटर के वाइस प्रेसिडेंट और

प्रमुख ब्युंग चुल ली ने कहा, सीईएस, सी-लेब स्टार्टअप्स के लिए नवाचार को परखने और वैश्विक विकास को गति देने का एक अहम मंच है। इस वर्ष क्षेत्रीय स्टार्टअप्स की बढ़ी भागीदारी सी-लेब इकोसिस्टम के निरंतर विस्तार को दर्शाती है।

इस साल सी-लेब में 15 स्टार्टअप्स को प्रदर्शित किया जाएगा। इनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सी-लेब आउटसाइड प्रोग्राम द्वारा सीधे तौर पर तैयार किए गए आठ स्टार्टअप, सैमसंग फाइनेंशियल नेटवर्क्स द्वारा संचालित सैमसंग फाइनेंशियल सी-लेब आउटसाइड के चार स्टार्टअप, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के आंतरिक वेंचर प्रोग्राम सी-लेब इनसाइड के दो स्टार्टअप और एक ऐसा स्टार्टअप शामिल है जिसे सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और डेगू क्रिएटिव इकोनॉमी इनोवेशन सेंटर ने मिलकर तैयार किया है।

आइकॉनिक कैटेगरी लीडर ब्लेंडर्स प्राइड ने ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है, जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है।

ऊँचे स्तर की लग्ज़री और विशिष्टता को दर्शाने वाले आकर्षक ब्लैक डिज़ाइन में पैक किया गया ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन चुनिंदा व्हिस्की प्रेमियों के लिए बारीकी से तैयार किया गया है–वन इन अ मिलियन के लिए। केवल दस लाख बोतलों की उपलब्धता के साथ, यह एडिशन जितना रेयर है उतना ही रिफाइंड भी है।

लग्ज़री की दुनिया में ब्लैक सिर्फ़ एक रंग से कहीं अधिक है–यह एक एटीट्यूड, सोफिस्टिकेशन और पॉवर का प्रतीक है। लंबे समय से ब्लेंडर्स प्राइड से जुड़ा ब्लैक अब एक इनोवेटिव डिज़ाइन एक्सप्रेशन के रूप में केंद्र में आता है, जो प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को रिडिफाइन करता है। यह केवल नई पैकेजिंग नहीं है; यह उन लोगों के लिए स्टाइल की एक बोल्ड एक्सप्रेशन है जो ट्रेंड्स का पीछा नहीं करते बल्कि उन्हें बनाते हैं।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ, देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड भारत में प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को लगातार नया रूप देता रहा है। ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन का लॉन्च ब्रांड का अब तक का सबसे रिफाइंड एक्सप्रेशन है–एक ऐसा इवोल्युशन जो इसकी स्थायी विरासत को एक बोल्ड नई डिज़ाइन लैंग्वेज में बदलता है। इस वर्ष, ब्लेंडर्स प्राइड अपने मूल मूल्यों को एक ऐसे सौंदर्य के माध्यम से जीवंत कर रहा है जो आकांक्षा, विशिष्टता और कारीगरी का उत्सव मनाता है। केवल दस लाख बोतलों तक सीमित ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन उन व्यक्तियों के लिए बनाया गया है जो केवल उत्कृष्टता की प्रशंसा नहीं करते–वे उसे जीते हैं। रहते हैं–यह एक उन्नत अनुभव है, जो बिना किसी समझौते की गुणवत्ता को किसी सचमुच विशेष चीज़ के स्वामित्व की विशिष्टता के साथ जोड़ता है।

योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026: बड़ा वेन्यू, बेहतर दर्शक अनुभव और विश्व चैंपियनशिप की ड्रेस रिहर्सल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और पुरुष युगल की जोड़ी चिराग शेट्टी व सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी का कहना है कि घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने का अहसास हमेशा खास होता है। इन सबके मुताबिक इस बार योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026 का महत्व और भी बढ़ गया है क्योंकि अगस्त में इसी वेन्यू पर बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट, योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026 का आयोजन 13 से 18 जनवरी 2026 तक होगा। यह टूर्नामेंट प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए एक ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करेगा। इस बार मुकाबले इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बड़े मल्टी-

पर्पज़ हॉल में होंगे, जिससे दर्शकों को पहले की तुलना में कहीं बड़ा और बेहतर टूर्नामेंट देखने का अनुभव मिलेगा। हर साल की तरह इस संस्करण में भी दुनिया के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें चीन के विश्व चैंपियन शी यू ची, महिला विश्व नंबर-1 आन से यंग और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स चैंपियन क्रिस्टो पोपोव शामिल हैं। अगले पांच दिनों में 20 देशों के कुल 256 खिलाड़ी एक्शन में होंगे, जिनमें चीनी ताइपे 36 खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेज रहा है। प्री-इवेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने कहा, हर साल जनवरी की शुरुआत में दिल्ली में इंडिया ओपन खेलना हमेशा अच्छा लगता है। घरेलू मैदान पर खेलकर बहुत खुशी होती है। इससे बेहतर और क्या हो सकता है? प्रशंसक और फेडरेशन हमेशा हमारा पूरा समर्थन करते हैं। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे, 100 प्रतिशत देंगे और उम्मीद है कि यहां अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। सात्विक और चिराग ने भी खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए स्टेडियम पहुंचने वाले प्रशंसकों की जमकर सराहना की और भरोसा जताया कि स्टेडियम की क्षमता बढ़ने के बावजूद हर दिन दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी। चिराग शेट्टी ने कहा, यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। हमने पहली बार 2017 में इंडिया ओपन खेला था और तब से यह टूर्नामेंट हर साल और बड़ा होता गया है। जीतने से हमें पूरे साल शानदार प्रदर्शन के लिए जबरदस्त आत्मविश्वास मिला।

बंधन म्यूचुअल फंड ने कीमती धातुओं तक आसान और प्रभावी एक्सेस के लिए दो ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स लॉन्च किए

बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ के लिए एनएफओ सोमवार

मुंबई, एजेंसी। बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ लॉन्च करने की घोषणा की है, ये दो ओपन-एंडेड स्कीम हैं जिन्हें निवेशकों को सोने और चांदी में निवेश करने का एक आसान, पारदर्शी और किफायती तरीका प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए फंड ऑफर (एनएफओ) सोमवार, 12 जनवरी 2026 को खुलेंगे और मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को बंद होंगे। बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ में निवेश लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, निवेश सलाहकारों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या सीधे पर किया जा सकता है। विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी, सीईओ, ने नए फंड्स के लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सोना और चांदी पोर्टफोलियो डावर्सीफिकेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन

निवेशक इन एसेट्स तक कैसे पहुंचते हैं, यह मायने रखता है। फिजिकल मेटल में अक्सर शुद्धता, मेकिंग चार्ज, स्टोरेज और रीसेल को लेकर अनिश्चितताएं होती हैं, जबकि ईटीएफ के लिए डीमैट खातों की आवश्यकता होती है जिनका उपयोग अभी भी कई निवेशक नहीं करते हैं। फंड ऑफ फंड (एफओएफ) स्ट्रक्चर्ड डीमैट आवश्यकताओं जैसी बाधाओं को दूर करती है, एंट्री पॉइंट को ?1,000 तक कम करती है, और ?100 से शुरू होने वाली एसआईपी के माध्यम से अनुशासित निवेश को सक्षम बनाती है। बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ईटीएफ के आश्वासन और पारदर्शिता को म्यूचुअल फंड निवेश की सरलता के साथ जोड़ता है। निवेशक अब एक लिक्विड, पारदर्शी फॉर्मेट के माध्यम से सोने की मजबूती और चांदी की स्ट्रक्चर्ड इंडस्ट्रियल मांग में भाग ले सकते हैं। ये पेशकश कीमती धातु निवेश को बहुत व्यापक दर्शकों के लिए आसान, स्मार्ट और अधिक सुलभ बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो पोर्टफोलियो की मजबूती बढ़ाना चाहते हैं, विभिन्न एसेट्स में विविधता लाना चाहते हैं, और एक सरल और कुशल निवेश मार्ग के माध्यम से कीमती धातुओं की बढ़ती वैश्विक मांग में भाग लेना चाहते हैं।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस: हैदराबाद के 450 युवाओं ने संवारा अपना और देश का डिजिटल भविष्य

हैदराबाद, एजेंसी। भारत के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, सैमसंग ने अपने महत्वाकांक्षी कौशल विकास अभियान सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी) के माध्यम से देश के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद स्थित एनएसआईसी (एनएसइईसी) टेक्निकल सर्विस सेंटर में आयोजित एक गरिमापूर्ण दीक्षांत समारोह के दौरान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में महारत हासिल करने वाले 450 मेधावी छात्रों को समारोहपूर्वक प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। सैमसंग की यह पहल भारत में

एक फ्यूचर-रेडी डिजिटल कार्यबल तैयार करने के उसके अटूट संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करती है।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस दरअसल युवाओं को समकालीन उद्योग की जटिल ज़रूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीकी कौशल से सुसज्जित करने का एक वैश्विक मंच है। यह कार्यक्रम न केवल व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और परिणाम-आधारित प्रोजेक्ट्स के माध्यम से छात्रों की व्यावसायिक सक्षमता को उस स्तर पर ले जाता है, जहाँ वे आज की प्रतिस्पर्धी डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी एक अलग पहचान बना सकें। प्रमाणपत्र वितरण समारोह की शोभा बढ़ाते हुए एनएसआईसी हैदराबाद के सेंटर हेड, श्री राजीवनाथ ने सफल छात्रों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत के डिजिटल कायाकल्प के विराट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं के कौशल विकास में निरंतर निवेश करना राष्ट्र निर्माण की दिशा में सबसे प्रभावी कदम है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष हैदराबाद में दीक्षित हुए 450 छात्रों के इस समूह में से 100 छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जटिल गुर सीखे, जबकि 350 छात्रों को कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग की बारीकियों में पारंगत किया गया। यह संपूर्ण प्रशिक्षण एक ऐसे सुनियोजित पाठ्यक्रम के तहत दिया गया।

'हक' देख गदगद हुईं सामंथा, यामी की परफॉर्मेंस को बताया शब्दों से परे

यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' को दर्शकों और फिल्मी सितारों की खूब सराहना मिल रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों का सिलसिला जारी है। करण जौहर और आलिया भट्ट ने हाल ही में यामी की एक्टिंग की जमकर वाहवाही की। अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म और यामी के परफॉर्मेंस को दिल छू लेने वाला बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि हक की कहानी गहरी, संवेदनशील और बिना किसी पूर्वाग्रह के है, जिसे यामी ने इतनी शानदार तरीके से पर्दे पर निभाया है। सामंथा ने यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ करते हुए यामी की परफॉर्मेंस को शब्दों से परे बताया, उन्होंने लिखा, ' फिल्म देखते ही मुझे तुरंत यह लिखना पड़ा, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि जो खूबसूरत एहसास मुझे मिला, वह कहीं खो जाए।' सामंथा ने लिखा, 'ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं। इतनी गहरी, इतनी लेयर्ड और पूरी तरह जजमेंट या बायस से मुक्त। और यह और भी खास है जब इन्हें इतने शानदार एक्टर ने जीवंत किया हो। यामी गौतम आपकी परफॉर्मेंस ने मुझे इस तरह प्रभावित किया जिसे मैं पूरी तरह से बता नहीं सकती। मैंने एक साथ सब कुछ महसूस किया - प्यार, गुस्सा, ताकत, कमजोरी, उम्मीद। ' सामंथा ने निर्देशक के साथ ही पूरे टीम की सराहना की।

'द 50': विनर ही नहीं ऑडियंस को भी मिलेगी प्राइज मनी

कलर्स टीवी पर नए रियलिटी शो 'द 50' का पहला लुक सबके सामने आ चुका है और इसे फराह खान होस्ट करेंगी। ये शो 'बिग बॉस' जैसा बिल्कुल नहीं है, बल्कि उससे काफी अलग और हटकर है। आइए इसके बारे में बताते हैं कि कौन होंगे कंटेस्टेंट्स, कहां देख सकते हैं शो और सारी इससे जुड़ी बातें। कलर्स टीवी पर नए रियलिटी शो 'द 50' का पहला लुक सामने आने के बाद से ही दर्शक एक्साइटेड हैं। हालांकि, मेकर्स ने फराह खान को होस्ट के रूप में दिखा दिया है, लेकिन कंटेस्टेंट्स और शो के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं बताई गई है। अब, 'द 50' के बारे में सारी बातें सामने आई है, ये एक ऐसा शो है जिसके बारे में मेकर्स का मानना है कि यह भारत में नॉन-फिक्शन टेलीविजन की दुनिया को बदल देगा। आइए बताते हैं शो कैसा होगा, इसका फॉर्मेट क्या होगा और विनर कैसे मिलेगा। साथ ही, ये भी कंफर्म कर दें कि ये बिग बॉस जैसा बिल्कुल नहीं है। जियोहॉटस्टार के आलोक जैन ने हाल ही में शो को लेकर काफी कुछ कहा। 1 फरवरी को प्रीमियर होने वाले उनके नए शो के बारे में पूछे जाने पर आलोक जैन ने बताया, 'द 50' में हम 50 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को एक मंच पर लाएंगे और उन्हें कुछ बेहद एंटरटेनिंग टास्क पूरे करने होंगे। इसमें एलिमिनेशन भी होंगे और लगभग 50 एपिसोड के बाद हमें विनर मिल जाएगा।'

चित्रांगदा सिंह

ने एक्टिंग से क्यों बनाई थी दूरी?

खुद बताई ब्रेक की असली वजह

चित्रांगदा सिंह ने बॉलीवुड में अपनी शानदार एक्टिंग से जगह बनाई है। एक्ट्रेस कुछ सालों तक फिल्मी दुनिया से दूर रहीं, हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंनें अपने इस ब्रेक को बात की। चित्रांगदा सिंह बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती और दमदार अदाकारी से कम फिल्मों में ही खास पहचान बनाई। करियर के पीक पर होने के बावजूद उन्होंने एक्टिंग से दूरी बना ली थी, जिससे फैंस हैरान रह गए थे। हाल ही में एक बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने अपने इस ब्रेक को लेकर खुलकर बात की।

❖ **चित्रांगदा सिंह ने क्यों लिया था एक्टिंग से ब्रेक?**

दरअसल, हाल ही में यूट्यूबर कमिया जानी, जो कर्ली टेल्स नाम से अपना यूट्यूब चैनल चलाती हैं, चित्रांगदा सिंह के घर पहुंचीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने उन्हें अपने खूबसूरत घर का टूर कराया और कई निजी व प्रोफेशनल बातों पर खुलकर बातचीत की इसी दौरान चित्रांगदा सिंह से यह सवाल भी पूछा गया कि उन्होंने एक्टिंग से इतना लंबा ब्रेक क्यों लिया था। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि उस समय वह शादीशुदा थीं और उनकी जिंदगी में कुछ पारिवारिक परिस्थितियां थीं एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त उन्हें लगा कि परिवार को प्रायोरिटी देना ज्यादा जरूरी है उन्होंने माना कि उस दौर में वह प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को एक साथ मैनेज नहीं कर पा रही थीं, इसलिए उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला किया।

❖ **चित्रांगदा ने बदल लिया था अपना फोन नंबर**

इसके बाद उनसे पूछा गया कि जब उस दौरान उन्हें काम के ऑफर आते थे, तो कितना मुश्किल हो जाता था काम को मना करना, इस पर चित्रांगदा ने बताया, उन्होंने अपना फोन नंबर ही बदल दिया था, ताकि कोई भी उनसे संपर्क न कर सके। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके लिए यह काम को मना करने का सबसे आसान तरीका था।

❖ **चित्रांगदा का फिल्मी करियर**

चित्रांगदा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की, अल्ताफ राजा के 'तुम तो ठहरे परदेसी' और गुलज़ार के 'सनसेट पॉइंट' म्यूजिक वीडियो से पहचान बनाई, फिर 'हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी' (2005) से फिल्मों में डेब्यू किया और 'ये साली ज़िंदगी', 'देसी बॉयज', 'बाज़ार' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस आखिरी बार फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थी। वहीं अब वो जल्द ही सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान में धमाल मचाने को तैयार है।

तेजस्वी पर फूटा करण कुन्द्रा का

गुस्सा

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के पॉपुलर कपल में से एक माने जाते हैं और आए दिन किसी ना किसी वजह से सुर्खियां बटोरते हुए नजर आते हैं। फिर चाहे पर्सनल लाइफ को लेकर हो या प्रोफेशनल को लेकर हो। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश अक्सर कुछ ना कुछ ऐसा करते हैं, जिसकी वजह से लोगों का ध्यान उन दोनों पर से हटता नहीं है। हाल ही में फिर से दोनों ने लाफ्टर शेफ सीजन 3 के सेट पर कुछ ऐसा ही किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की जोड़ी लाफ्टर शेफ सीजन 3 में छाई हुई है. इनकी शानदार बॉन्डिंग से लेकर इनके बीच की मस्ती-भरी नोकझोंक को फैंस खूब पसंद करते हैं। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की जोड़ी लाफ्टर शेफ सीजन 3 में छाई हुई है। इनकी शानदार बॉन्डिंग से लेकर इनके बीच की मस्ती-भरी नोकझोंक को फैंस खूब पसंद करते हैं। लेकिन, हाल ही में लाफ्टर शेफ सीजन 3 के सेट पर करण कुंद्रा अपनी गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश पर चिल्लाते हुए दिखाई दिए। उनकी बातें सुन हर कोई हैरान रह गया। तेजस्वी से करण ने गुस्से में कहा- इतना मुंह बनाती है, खाना भी बना लिया कर। ये पंजाब की बहू, मेरा 7वां, 8वां प्यार..खाना ही बनाना नहीं आया तुझे। करण कुंद्रा की ऐसी बातें सुन तेजस्वी हैरान रह जाती हैं. एक्ट्रेस के एक्सप्रेशंस भी बदल जाते हैं। करण कुंद्रा की ऐसी बातें सुन तेजस्वी हैरान रह जाती हैं। एक्ट्रेस के एक्सप्रेशंस भी बदल जाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि करण ने जिस तरह से बातें की, उसे देख तेजस्वी को समझ ही नहीं आया कि वो क्या बोलें। वहीं, करण ने तेजस्वी को 7वां,8वां प्यार बुलाया था, जिसे सुन ईशा मालवीय और ईशा सिंह दोनों हैरान रह गई और एक्ट्रेस से सवाल पूछने लगीं। बॉयफ्रेंड की बातें सुन तेजस्वी रोने लगीं। हालांकि, करण का डांटना रियल था या सिर्फ प्रैंक इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

फुकरे से राहु केतु तक, पुलकित सम्राट ने मनाया नॉर्थ इंडिया के फ्लेवर का जश्न

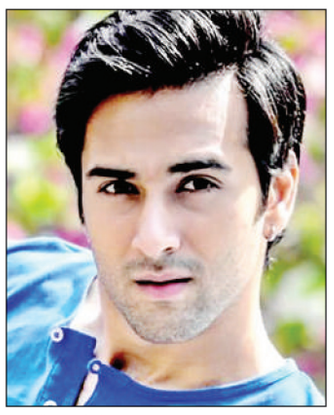

अभिनेता पुलकित सम्राट हमेशा से नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने प्यार को खुलकर जाहिर करते आए हैं। अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के प्रमोशन के दौरान भी उन्होंने इस बात पर खुलकर चर्चा की कि दिल्ली, शिमला और नॉर्थ इंडिया के बड़े कैनवस पर रची गई कहानियां क्यों आज भी फिल्ममेकर्स और दर्शकों को उतना ही उत्साहित करती हैं। अपनी सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' का जिक्र करते हुए पुलकित ने बताया कि किसी भी फिल्म की पहचान गढ़ने में उसके बैकड्रॉप और लोकेशन की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा, 'फुकरे भी दिल्ली में ही प्लॉट है और राहु केतु का भी शिमला-दिल्ली साइड का ही बैकड्रॉप है।' उनके मुताबिक, रीजनल ऑथेंटिसिटी ही कहानी में एक अलग तरह की जान डालती है। नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने खास लगाव को जाहिर करते हुए पुलकित ने यह भी कहा कि इस इलाके का फ्लेवर कहीं और देखने को नहीं मिलता। यहां के लोग, यहां की जगहें और यहां की जिंदगी बेहद सच्ची और जीती-जागती महसूस होती है। उन्होंने यह भी बताया कि दर्शकों ने समय के साथ ऐसी कहानियों को खूब अपनाया है, खासकर तब से जब दिबाकर बनर्जी और अमृत शर्मा जैसे फिल्ममेकर नॉर्थ इंडिया और दिल्ली की सांस्कृतिक बारीकियों को बड़े परदे पर लेकर आए हैं। पुलकित के अनुसार, ये निर्देशक इस इलाके को 'रग-रग से' जानते हैं, इसलिए उनकी कहानियां बेहद ऑर्गैनिक और रिलेटेबल लगती हैं। पुलकित मानते हैं कि बार-बार मुंबई को दिखाने के बजाय अब नॉर्थ इंडिया की लोकेशन्स को एक्सप्लोर करना हिंदी सिनेमा के लिए एक ताजगी भरा बदलाव रहा है। उन्होंने कहा, 'यहां के लोग, यहां के लिबाज़, यहां के पहाड़, ये सब आपको और कहीं नहीं मिलते। ' उनके मुताबिक, जब दर्शक 'राहु केतु' जैसी फिल्में देखते हैं, तो वे सिर्फ कहानी नहीं देखते, बल्कि नॉर्थ इंडिया की हवा और उसकी ऊर्जा को भी महसूस करते हैं। पुलकित ने कहा, 'हमें नॉर्थ इंडिया से बहुत प्यार है। यहां के लोग बेहद अतरंगी, प्यारे, वॉर्म और काफी ईमानदार होते हैं। हर जगह का अपना अलग फ्लेवर होता है।

अगर पहली फिल्म में मेरा किरदार जीवित रहता तो बॉर्डर 2 जरूर काम करता: सुनील शेट्टी

अभिनेता सुनील शेट्टी 1997 में आई फिल्म बॉर्डर को अपने करियर की शानदार फिल्मों में से एक मानते हैं और उनका कहना है कि अगर फिल्म में उनके किरदार की मौत न हुई होती तो वह इसके सीक्वल में जरूर नजर आते। शेट्टी (64) सोमवार शाम को जाते हुए ल हों गाने के लॉन्च में शामिल हुए, जो युद्ध पर आधारित फिल्म बॉर्डर के गाने का ही रीमेक है और इसे फिल्म बॉर्डर 2 में शामिल किया गया है। बॉर्डर 2 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बॉर्डर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की वास्तविक घटनाओं पर आधारित थी जिसमें शेट्टी ने कैप्टन भैरों सिंह की भूमिका निभाई थी। सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे और युद्ध में शहीद हो गए थे। बॉर्डर जेपी दत्ता ने बनाई थी। शेट्टी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं इस फिल्म (बॉर्डर) को कभी नहीं भूलूंगा (8230) जब मुझे यह किरदार निभाने का प्रस्ताव मिला था तो मैं डर गया था। मुझे लगा कि क्या मैं इस किरदार को निभा पाऊंगा, क्योंकि पर्दे पर कोई काल्पनिक किरदार निभाना आसान है लेकिन असल जिंदगी का कोई किरदार निभाना बहुत मुश्किल है।

विवादों में घिरी यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक

टीजर को लेकर सेंसर बोर्ड में की गई शिकायत

अश्लील सीन हटाने की मांग की गई

यश स्टारर फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स विवादों में फंस गई है। फिल्म को लेकर सोशल एक्टिविस्ट दिनेश कल्लाहल्ली ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने टीजर में मौजूद कुछ सीन को अश्लील, आपत्तिजनक और नैतिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। NI की रिपोर्ट के मुताबिक, CBFC चेयरपर्सन प्रसून जोशी को की गई शिकायत में सोशल एक्टिविस्ट ने कहा कि टॉक्सिक के टीजर में बहुत ज्यादा अश्लील, सेक्सुअली एक्सप्लिसिट और वल्गर सीन हैं। जो खुले तौर पर सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इससे बच्चे और युवा भी ऐसे कंटेंट देख रहे हैं, जो कानून और समाज दोनों के लिए ठीक नहीं है। एक्टिविस्ट का कहना है कि यह टीजर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा से बाहर है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अश्लील और सेक्सुअली एक्सप्लिसिट कंटेंट को संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती। उन्होंने सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952, फिल्म सर्टिफिकेशन नियमों और CBFC की गाइडलाइंस का भी हवाला दिया। उनका कहना है कि फिल्मों, ट्रेलरों और प्रमोशनल कंटेंट में शालीनता, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के मानकों का पालन होना चाहिए।

(साभार एजेंसी)

'आप फुटबॉल को गहराई से समझते थे', काइलियन एम्बाप्पे ने जाबी अलोंसो के लिए लिखा भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल मैड्रिड के मैनेजर जाबी अलोंसो के क्लब छोड़ने की पुष्टि होने के बाद काइलियन एम्बाप्पे ने उनके लिए एक भावुक विदाई संदेश लिखा है। क्लब की आधिकारिक घोषणा के कुछ ही घंटों बाद एम्बाप्पे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जाबी अलोंसो के लिए लिखा, 'यह छोटा समय था, लेकिन आपके लिए खेलना और आपसे सीखना मेरे लिए खुशी की बात रही। पहले दिन से मुझ पर भरोसा दिखाने और मुझे आत्मविश्वास देने के लिए धन्यवाद। मैं आपको एक ऐसे मैनेजर के तौर पर याद रखूंगा जिनके पास साफ आइडियाज थे और जो फुटबॉल को गहराई से समझते थे। जीवन के नए चैप्टर के लिए शुभकामनाएं।' रियल मैड्रिड ने सोमवार को कन्फर्म किया कि जाबी अलोंसो अब क्लब का हिस्सा नहीं हैं। यह फैसला रविवार, 11 जनवरी को बार्सिलोना के खिलाफ स्पेनिश सुपर कप में मिली हार के 24 घंटे के भीतर लिया गया। इस हार ने अलोंसो के भविष्य पर आखिरी मुहर लगा दी और पिछली गर्मियों में शुरू हुआ उनका सात महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया।

अलोंसो की वापसी को बर्नब्यू में एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा था। टैक्टिकल क्लैरिटी, हाई प्रेसिंग और मॉडर्न फुटबॉल पर जोर देने वाले अलोंसो मई में बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता के बाद तीन साल के करार पर रियल मैड्रिड पहुंचे थे। 2023-24 सीजन में उन्होंने लेवरकुसेन को बिना हारे बुंडेसलीगा खिताब जिताया, जर्मन कप जीता और टीम को यूरोपा लीग फाइनल तक पहुंचाया था। हालांकि, स्पेन में हालात उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, टीम की परफॉर्मेंस में निरंतरता की कमी दिखने लगी। क्लब वर्ल्ड कप में पेरिस सेंट-जर्मेन, ला लीगा में एटलेटिको मैड्रिड और चैंपियंस लीग में लिवरपूल व मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मिली भारी हार ने टीम की कमजोरियों को उजागर कर दिया। मैड्रिड, जो कभी टाइटल रेस में आगे था, वह अब बार्सिलोना से चार अंक पीछे खिसक चुका है। अलोंसो के जाने के बाद क्लब ने पूर्व खिलाड़ी और सेकंड-टीम कोच अल्वारो अर्बेलोआ को अंतरिम मैनेजर नियुक्त किया है, जो कोपा डेल रे में अल्बासेटे के खिलाफ टीम की कमान संभालेंगे।

खत्म हुआ इंतजार...सभी 14 आईएसएल क्लबों ने दी AIFF को लिखित मंजूरी, फरवरी में शुरू होगी फुटबॉल लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग 2025-26 सीजन को लेकर चली आ रही अनिश्चितता खत्म हो गई है। सभी 14 क्लबों ने एआईएफएफ को लिखित रूप से भागीदारी की पुष्टि कर दी है। अब आईएसएल का आगाज 14 फरवरी से होगा

और लीग में होम-एंड-अवे आधार पर कुल 91 मैच खेले जाएंगे। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 सीजन को लेकर लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता अब खत्म हो गई है। सभी 14 आईएसएल क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को लिखित रूप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। इसके साथ ही शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग के 14 फरवरी से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

सभी क्लबों ने दी लिखित मंजूरी - 6 जनवरी को खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने घोषणा की थी कि व्यावसायिक साझेदार की अनुपस्थिति के कारण रुकी हुई आईएसएल 14 फरवरी से शुरू होगी और इसमें सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। हालांकि, उस समय कुछ क्लबों ने केवल सैद्धांतिक रूप से भागीदारी की सहमति दी थी, लेकिन अब सभी क्लबों ने औपचारिक तौर पर लिखित पुष्टि कर दी है।

नोवाक जोकोविच ने बिना रैकेट चलाए कैसे रचा इतिहास, क्यों हो रही इस टेनिस स्टार के नाम की चर्चा?

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने 2026 की शुरुआत में बिना किसी टूर्नामेंट में खेले ही नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। वे लगातार 1000 हफ्तों तक एटीपी टॉप-40 में बने रहने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 2006 से अब तक वे कभी भी इस दायरे से बाहर नहीं गए, जो उनकी असाधारण स्थिरता और लॉन्गेविटी को साबित करता है। अब वे ऑस्ट्रेलियन ओपन में 25वें ग्रैंड स्लैम के लक्ष्य के साथ उतरने वाले हैं। टेनिस जगत में फिर एक बार नोवाक जोकोविच ने ऐसा कारनामा किया है जिसका मुकाबला आधुनिक खेल में मिलना मुश्किल है। दिलचस्प यह कि इस रिकॉर्ड के लिए उन्हें 2026 में अब तक रैकेट चलाने तक की जरूरत नहीं पड़ी। जोकोविच ने लगातार 1000 हफ्ते एटीपी टॉप-40 में बने रहकर इतिहास रच दिया है। यह माइलस्टोन अप्रैल 2006 से शुरू हुआ था, जब 19 वर्षीय जोकोविच पहली बार एटीपी टॉप-40 में दाखिल हुए थे। रोलां गैरोस के अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के तुरंत बाद उनकी रैंकिंग चढ़ी और तब से, लगभग 19 साल में, वे एक भी हफ्ता इस क्षेत्र से बाहर नहीं गए। इस दौरान टेनिस में युग बदले, खिलाड़ी बदले, सतहों की तेज़ी और फिजिकल डिमांड्स बढ़ीं, लेकिन जोकोविच की स्थिरता लगातार बनी रही।

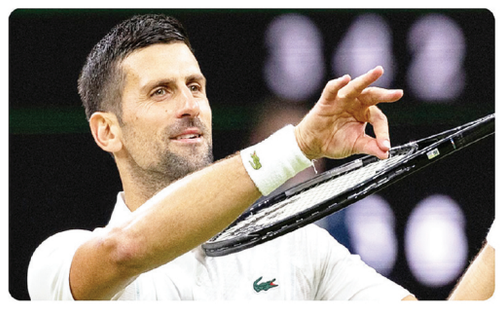

नए सीजन में बिना खेले भी सुर्खियों में- 2026 की शुरुआत में जोकोविच ने एडिलेड इंटरनेशनल से हटने का फैसला किया और एटीपी दौरे के शुरुआती टूर्नामेंट नहीं खेले। इसके बावजूद उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। जहां ब्रिस्बेन में डेनिल मेदवेदेव और हांगकांग में एलेक्जेंडर बुब्लिक ने खिताब जीते, वहीं 38 वर्षीय जोकोविच एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

राजकोट में निराशाजनक रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, 2020 के बाद नहीं मिली जीत

राजकोट, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। रविवार को वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में भारतीय टीम ने 4 विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा वनडे बुधवार को राजकोट में खेला जाना है। इस मैच को जीतकर भारतीय टीम सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी, लेकिन राजकोट में पुराना वनडे रिकॉर्ड टीम की चिंता बढ़ा रहा है। भारतीय टीम ने निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट में 4 वनडे मैच खेले हैं। इसमें तीन में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस स्टेडियम में पहला वनडे 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इंग्लैंड 9 रन से विजयी रही थी। 2015 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना दूसरा वनडे खेला था। दक्षिण अफ्रीका 18 रन से जीती थी। 2020 में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ था। भारतीय टीम इस मैच में 36 रन से विजयी रही थी। इस स्टेडियम में 27 सितंबर 2023 को टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला था और इसमें उसे 66 रन से हार का सामना करना पड़ा था। 4 मैचों में 3 हार टीम इंडिया की परेशानी बढ़ाने वाली है। तीनों बार भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही, जबकि एकमात्र मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए मिली थी। केन विलियमसन, मैट हेनरी और मिशेल सेंटनर जैसे बड़े खिलाड़ियों के बिना खेल रही न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी थी। विराट कोहली की बल्लेबाजी और कीवी टीम के खराब क्षेत्ररक्षण ने मैच का परिणाम भारतीय टीम के पक्ष में मोड़ा था। इसलिए राजकोट में टीम इंडिया को सावधान रहना होगा। बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने के बावजूद न्यूजीलैंड पलटवार करने का पूरा दमखम रखती है। राजकोट वनडे दोपहर 1:30 से खेला जाएगा। टॉस 1 बजे होगा।

वेन रूनी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की कोचिंग टीम में वापसी के दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर रहे वेन रूनी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की कोचिंग टीम में वापसी के संकेत दिए हैं। रूनी ने कहा है कि अगर माइकल कैरिक को मौजूदा सीजन के बाकी हिस्से के लिए केयरटेकर मैनेजर बनाया जाता है, तो वह उनके

कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। रूनी ने कहा है कि वह नौकरी के लिए दबाव नहीं बना रहे, लेकिन क्लब की मदद करने का मौका मिला तो पीछे नहीं हटेंगे। दिग्गज फुटबॉलर ने एक पॉडकास्ट में कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में नौकरी के लिए मैं भीख नहीं मांग रहा हूं, लेकिन अगर मुझसे पूछा गया तो मैं जरूर मदद करूंगा। इस समय सबसे जरूरी बात सही मैनेजर की नियुक्ति है। माइकल कैरिक इस भूमिका के लिए बेहतर और मजबूत विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'चाहे माइकल कैरिक हों, डैरेन फ्लेचर हों, जॉन ओ'शिया हों या मैं, क्लब को ऐसे लोगों की जरूरत है जो मैनचेस्टर यूनाइटेड को भीतर से जानते हों। 44 वर्षीय माइकल कैरिक के इस सप्ताह के अंत तक अंतरिम मैनेजर के तौर पर नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। उनकी कोचिंग के लिए टीम के साथ बातचीत जारी है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले दुनिया की सबसे सफल क्रिकेटर का संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ खेलेंगी आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और आठ वर्ल्ड कप खिताब के साथ अब तक की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली को 2023 के आखिर में मेग लैनिंग की जगह फुल टाइम कप्तान बनाया गया था। वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगी ताकि ऑस्ट्रेलिया साल के आखिर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी शुरू कर सके, लेकिन वह वनडे मैच खेलेंगी और फिर 6-9 मार्च को वाका में होने वाले डे-नाइट मैच में अपने 11वें टेस्ट मैच के साथ अपने करियर का अंत करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने संन्यास का ऐलान करते हुआ कहा कि पिछले कुछ महीने मानसिक रूप से बहुत थकाने वाले रहे हैं क्योंकि उन्हें चोटों से जूझना

पड़ा। इस साल के आखिर में इंग्लैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में न खेलने का फैसला करने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 'सबसे बड़ी सीरीज' में से एक के बाद रिटायर होने का फैसला किया है।

पॉडकास्ट में किया संन्यास का ऐलान- हीली ने विलोटॉक क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मैं इसे पॉडकास्ट के लिए बचाकर रखना चाहती थी क्योंकि पिछले कुछ समय में यह मेरे लिए काफी मजेदार रहा है जिसका मैं हिस्सा रही हूं। आधिकारिक तौर पर आज जब आप यह सुन रहे हैं तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज के आखिर में क्रिकेट से रिटायर हो रही हूं। प्लीज मुझे रुलाओ मत। यह आसान फैसला नहीं था, लेकिन कभी न कभी तो लेना ही था।'

स्टार्क को गोल्फ में हराने के लिए संन्यास

हीली ने मजाक में कहा कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पति और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल ही में गोल्फ में एक स्ट्रोक में होल किया तो उनको लगा कि उन्हें हराने के लिए इस खेल को फुल टाइम अपनाना होगा। हीली ने आगे मानसिक थकान के बारे में विस्तार से बताया जो हाल ही में उन्हें महसूस हो रही थी।

हीली का करियर

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को तीन टी20 मैचों से शुरू होगा। इसके बाद तीन वनडे और फिर पर्थ के वाका में टेस्ट मैच होगा, जो हीली के शानदार करियर का आखिरी मैच होगा। हीली ने अबतक 123 वनडे खेले हैं जिसमें 7 शतक के साथ 3563 रन बनाए हैं और 162 टी20 में एक शतक के साथ 3054 रन बनाए हैं। उन्होंने 10 टेस्ट मैच भी खेले हैं। सबसे खास बात यह है कि वह 2020 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थीं, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। 2022 वनडे वर्ल्ड कप में भी वह प्लेयर ऑफ द मैच थीं जब उन्होंने इंग्लैंड को हराया था।

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए घोषित की टी20 टीम

होप की गैरमौजूदगी में इसे मिली कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जो 19 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप की

गैरमौजूदगी में ब्रैंडन किंग टीम की कप्तानी करेंगे, जो अपन कमिटमेंट्स के कारण उपलब्ध नहीं हैं। होप उन चार खिलाड़ियों में से एक हैं जो इस कारण से सीरीज से बाहर हैं, उनके साथ रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद एहतियात के तौर पर लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मैरी कॉम के धोखाधड़ी के आरोपों पर पूर्व पति ओनलर का पलटवार

कहा- 2013 में दूसरे शख्स के साथ था अफेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने दमदार पंच से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाली विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मैरी कॉम ने हाल ही में अपने पूर्व पति के ओनलर कोम पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। मैरी कॉम द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का के ओनलर कोम ने जवाब दिया है। ओनलर ने मैरी कॉम के आरोपों को गलत बताया है। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में, ओनलर ने मैरी कॉम के लगाए आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि वह शादीशुदा होते हुए दूसरे के साथ रिश्ते में थीं। ओनलर ने दावा किया कि उनकी शादी में दिक्कतें एक दशक से भी ज्यादा पुरानी हैं। मैरी कॉम का पहली बार 2013 में एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। 2017 से, वह मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी से जुड़े एक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में हैं। मेरे पास सबूत के तौर पर उनके व्हॉट्सएप मैसेज हैं, लेकिन मैं चुप रहा। मुझे उसके आगे बढ़ने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सबके सामने दोषी ठहराया जाना मुझे कबूल नहीं है।

उन्होंने कहा, 'वह अकेली रहना चाहती थी

और दूसरा रिलेशनशिप चाहती थी। हमारा तलाक हो चुका है। अगर वह दूसरा पति चाहती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मुझे कभी दोष मत देना। अगर उसे मुझे दोष देना है, तो सबूत देना पड़ेगा। मुझे पता है कि वह कहां रहती है और किसके साथ रहती है। 'पैसों की गड़बड़ी के आरोपों पर ओनलर ने कहा कि उनके अभी के रहन-सहन के हालात उन आरोपों को गलत साबित करते हैं कि उनके पास बहुत सारा पैसा है। उसने कहा कि मैंने 5 करोड़ चुराए हैं। मेरा अकाउंट देख लिया जाए। शादी के बाद 18 साल तक हम साथ रहे। अब वह पागल हो गई है। मेरे पास क्या है? मेरा घर देखो। मैं दिल्ली में किराए के घर में रह रहा हूं। वह एक सेलेब है। वह जो भी कहेगी, लोग सुनेंगे। ऑनलर ने कहा कि मैंने अपनी शादी की अंगूठी हटा दी, क्योंकि वह भरोसे के लायक नहीं है। वह लोक अदालत में जा रही है और कह रही है कि मैंने लोन लिया और प्रॉपर्टी चुराई। अगर प्रॉपर्टी मेरे नाम पर है, तो उसके पास सबूत होंगे, है ना? उसे वे सबूत लाने दो, फिर हम बात करेंगे।

SA20 : बोनस पॉइंट जीत से प्रिटोरिया कैपिटल्स टॉप पर पहुंचा

सेंचुरियन , एजेंसी। केप टाउन पर 53 रन की बोनस-पॉइंट जीत के बाद प्रिटोरिया कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई, यह उनकी लगातार तीसरी जीत थी। इस हार से एमआई सीटी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे आ गई और प्लेऑफ में पहुंचने की सभी उम्मीदें खत्म हो गईं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद पावरप्ले में सिर्फ 41 रन बनाए। कॉनर एस्टरहुइजन ने ट्रेंट बोल्ट के दूसरे ओवर में तीन चौके लगाकर शुरुआत की, जबकि शाई होप ने तीसरे ओवर में लिंडे की गेंद पर छक्का लगाया। हालांकि, बाएं हाथ के स्पिनर ने तुरंत वापसी करते हुए अगली ही गेंद पर होप को आउट कर दिया। एस्टरहुइजन अपनी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और पांचवें ओवर में कगिसो रबाडा की गेंद पर बोल्ड हो गए। पावरप्ले के बाद के तीन ओवर बिना किसी बाउंड्री के शांति से निकल गए। 10वें ओवर में राशिद खान की गेंद पर विहान लुब्बे के छक्के ने गियर बदलने का संकेत दिया, लेकिन वह दो गेंद बाद एक और बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गए। जॉर्डन कॉक्स, जो अपनी पूरी पारी में लय के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने एक छक्का और एक चौका लगाया, इससे पहले कि 13वें ओवर में रबाडा की यॉर्कर पर बोल्ड हो गए। हालांकि, क्रीज पर डेवाल्ड ब्रेविस और शेरफेन रदरफोर्ड के आने से पारी का रुख बदल गया। ष्ठक्र का इस्तेमाल करके पगबाधा के फैसले को पलटने के बाद

रदरफोर्ड ने 16वें ओवर में बोल्ट को 20 रन मारकर अपना हमला शुरू किया। इसके बाद ब्रेविस ने अपने पार्टनर की नकल की और 17वें ओवर की शुरुआत में रबाडा को दो छक्के जड़े। 18वें ओवर में रदरफोर्ड का दो बार कैच छूटा और उन्होंने एमआईसीटी को इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर किया और अगले ओवर में 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में ब्रेविस और आखिरी गेंद पर रदरफोर्ड के आउट होने के बावजूद कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 64 रन बनाकर जोरदार फिनिश किया।

ष्ठक्र केप टाउन की पारी की शुरुआत रसी वैन डेर डुसेन ने की, जिन्होंने स्ट्राइक पर हावी रहते हुए तीसरे ओवर में लॉन्ग-ऑन पर आउट होने से पहले एक छक्का और दो चौके लगाए। रीज़ा हेंड्रिक्स ने लिज़ाद विलियम्स को दो चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन हाल ही में शतक लगाने वाले रयान रिकेल्टन कुछ खास नहीं कर पाए और छठे ओवर में आउट हो गए। निकोलस पूरन ने अपनी पारी की शुरुआत एक छक्के और एक चौके से की, जिससे केप टाउन का पावरप्ले स्कोर लगभग 40/2 हो गया, लेकिन वह भी क्रीज पर ज़्यादा देर नहीं टिक पाए और अगले ही ओवर में एक और छक्का लगाने के तुरंत बाद आउट हो गए।

पूरन के विकेट से मिडिल ऑर्डर में बड़ी गिरावट आई और 10वें ओवर के अंत तक एमआईसीटी का स्कोर 46/2 से गिरकर 55/6 हो गया। गिदोन पीटर्स, जिन्होंने पहले रिकेल्टन को आउट किया था, ने उसी ओवर में कॉर्बिन बॉश और करीम जनत दोनों को आउट किया, जबकि केशव महाराज ने लिंडे को आउट किया। हेंड्रिक्स दूसरे छोर पर यह सब देखते रह गए और उनकी 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन की पारी एमआईसीटी की लड़खड़ाती हुई चेज को फिर से पटरी पर लाने के लिए काफी नहीं थी।

ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क की दी धमकी, भारत पर पड़ सकता है असर

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। इस कदम का भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों पर असर पड़ सकता है। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, तत्काल प्रभाव से इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ किए जाने वाले सभी प्रकार के व्यापार पर 25 प्रतिशत का शुल्क देना होगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान अब सीमाएं लांघ रहा है और इसी वजह से उन्हें और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को कठोर विकल्पों पर विचार करना पड़ रहा है।

ईरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में चीन, तुर्किए, भारत, यूएई, पाकिस्तान और आर्मेनिया शामिल हैं। ट्रंप की इस घोषणा का असर भारत पर पड़ सकता है जो हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो दुनिया के किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, ईरान को भारत के प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम फाइबर, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं जबकि ईरान से भारत के प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिकाकार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। ऑनलाइन डेटा विजुअलाइजेशन और वितरण मंच ऑब्जर्वेटरी ऑफ इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी (ओईसी) के अनुसार, 2023 में भारत से ईरान को निर्यात कुल 1.19 अरब डॉलर था जबकि भारत में आयात कुल 1.02 अरब डॉलर का हुआ था। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, भारत और ईरान के बीच सदियों पुराना संबंध है। समकालीन संबंध इन ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की मजबूती पर आधारित हैं और उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, वाणिज्यिक एवं संपर्क सहयोग, सांस्कृतिक और मजबूत जन-संबंधों के माध्यम से लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत-ईरान संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू चाबहार बंदरगाह का संयुक्त विकास है। ऊर्जा से भरपूर ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत और ईरान संपर्क एवं व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विकसित कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप मई 2016 में भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारे की स्थापना के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत ईरान के सहयोग से चाबहार बंदरगाह पर शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल के पहले चरण के विकास में भाग ले रहा है। दिसंबर 2018 में एक भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल चाबहार फ्री जोन के माध्यम से चाबहार बंदरगाह के संचालन का कार्यभार संभाला। मई 2024 में आईपीजीएल ने चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल को सभी सुविधाओं से लैस करने और संचालित करने के लिए इस्लामिक गणराज्य ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन (पीएमओ) के साथ 10 साल का अनुबंध किया।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 646 हुई

दुबई, भाषा। ईरान में जारी देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 646 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 646 हो गई है। उसने हालांकि यह आंकड़ा और बढ़ने की आशंका भी जताई है। यह एजेंसी हाल के वर्षों में हुई हिंसक घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी देने के लिए जानी जाती रही है और ईरान में मौजूद अपने समर्थकों के जरिए सूचनाओं का सत्यापन करती है। ईरान में संचार सेवाएं बंद होने के कारण एसोसिएटेड प्रेस स्वतंत्र रूप से मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सका है। ईरान की सरकार ने अब तक कुल हताहतों के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमले में दस लोग हुए घायल

रूस ने यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर एक और बड़ा हमला किया, चार लोगों की मौत

» कीव, भाषा।

रूस ने चार दिनों में यूक्रेन पर दूसरा बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला करके उसके विद्युत ग्रिड को एक बार फिर निशाना बनाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। युद्ध के चार साल पूरे होने वाले हैं और ऐसा लगता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों को रूस नजरअंदाज कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर लगभग 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलों और सात क्रूज मिसाइलों से हमला किया। जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र में एक हमले में एक डाक डिपो में चार लोगों की मौत हो गई और कीव क्षेत्र में कई लाख घरों में बिजली गुल हो गई थी।

राजधानी में दिन का तापमान शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। सड़कें बर्फ से ढकी थीं और शहर जनरेटरों के शोर से गूंज रहा था। चार दिन पहले रूस ने रात भर चले एक बड़े हमले में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया था। इसके अलावा रूस ने लंबे समय से जारी युद्ध में केवल दूसरी बार एक शक्तिशाली नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाया। यह कीव के नाटो सहयोगियों को एक स्पष्ट चेतावनी प्रतीत होती है कि रूस पीछे नहीं हटेगा। सोमवार को अमेरिका ने रूस पर लड़ाई को खतरनाक और समझ से परे तरीके से तूल देने का आरोप लगाया, जबकि ट्रंप प्रशासन शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी उप राजदूत टैमी ब्रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में कहा कि वाशिंगटन इस संघर्ष में हुई भारी संख्या में मौतों पर खेद व्यक्त करता है और ऊर्जा एवं अन्य बुनियादी ढांचे पर रूस के बढ़ते हमलों की निंदा करता है। रूस ने कड़ाके की ठंड के महीनों में यूक्रेनी नागरिकों को गर्मी और पीने के पानी से वंचित करने की कोशिश की है, ताकि 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन के खिलाफ शुरू किए गए मॉस्को के पूर्ण युद्ध के प्रति जनता के प्रतिरोध को कम किया जा सके। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि ओडेसा शहर में हुए रूसी हमले में छह लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हमले में ऊर्जा अवसंरचना, एक अस्पताल, एक शैक्षणिक संस्थान और कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रूसी वायुसेना ने रातभर में 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

अमेरिका ने रूस पर लगाया यूक्रेन में युद्ध को लंबा खींचने का आरोप

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को ऐसे वक्त में खतरनाक और अविवेकपूर्ण तरीके से लंबा खींचने का आरोप लगाया जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन शांति की दिशा में बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की उप राजदूत टैमी ब्रूस ने नाटो सहयोगी पोलैंड के साथ यूक्रेन की सीमा के करीब पिछले सप्ताह रूस द्वारा परमाणु क्षमता वाली ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण का सोमवार को विशेष रूप से जिक्र किया। उन्होंने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि अमेरिका इस संघर्ष में अनगिनत लोगों की मौत पर खेद व्यक्त करता है और ऊर्जा एवं अन्य बुनियादी ढांचे पर रूस के बढ़ते हमलों की निंदा करता है। गत सप्ताह बृहस्पतिवार रात रूस ने सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमले किए थे जिसके बाद यूक्रेन ने बैठक का अनुरोध किया था। रूस ने नई हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइलों से भी हमले किए थे। इसका उपयोग रूस ने दूसरी बार किया था, जिसे यूक्रेन के नाटो सहयोगियों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोप के नेताओं ने हमले में ओरेश्निक के इस्तेमाल की निंदा करते हुए इसे युद्ध को भड़काने वाला और अस्वीकार्य कदम बताया तथा अमेरिकी दूत ब्रूस ने भी सोमवार को इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की विश्वव्यापी शांति के प्रति अभूतपूर्व प्रतिबद्धता के कारण अपार संभावनाओं से भरे इस समय में दोनों पक्षों को तनाव कम करने के रास्ते तलाशने चाहिए लेकिन रूस की कार्रवाई से युद्ध बढ़ने तथा इसके और तेज होने का खतरा है। ब्रूस ने याद दिलाया कि रूस ने लगभग एक साल पहले यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का आह्वान करने वाले सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। उन्होंने कहा, अगर रूस अपनी बातों को अमल में लाए तो बहुत अच्छा होगा। उस प्रस्ताव की भावना के अनुरूप रूस, यूक्रेन और यूरोप को शांति के लिए गंभीरता से प्रयास करने चाहिए और इस दुःस्वप्न का अंत करना चाहिए।

अमेरिका में 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत 1,00,000 वीजा रद्द किए गए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में आपराधिक गतिविधि का हवाला देकर आप्रवासियों के खिलाफ की गई व्यापक कार्रवाई के तहत 2025 में 8,000 छात्र वीजा समेत एक लाख से अधिक वीजा रद्द कर दिए गए। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका को सुरक्षित बनाने के लिए हम इन ठगों को प्रत्यर्पित करते रहेंगे। पोस्ट में कहा गया है, अमेरिका में आपराधिक गतिविधियों के लिए कानून की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई करते हुए विदेश मंत्रालय ने 8,000 छात्र वीजा और 2,500 विशेष वीजा समेत1,00,000 वीजा रद्द कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि एक साल से भी कम समय में ट्रंप प्रशासन ने एक लाख से अधिक वीजा रद्द किए हैं। उन्होंने कहा, इनमें हमला, चोरी और शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे अपराधों में आरोपी या दोषी हजारों विदेशी नागरिकों के वीजा शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की खबर के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानी 2024 में 40 हजार वीजा रद्द किए गए थे, जिसकी तुलना में 2025 में दोगुने से भी अधिक वीजा रद्द किए गए। खबर में कहा गया है कि 2025 में जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए, उनमें से ज़्यादातर कारोबारी और पर्यटक थे, जो वीजा की अवधि से ज़्यादा समय तक देश में ठहरे थे।

न्यूज ब्रीफ

फ्रांस में किसानों ने ईयू के साथ व्यापार समझौते के विरोध में 350 ट्रैक्टर के साथ संसद तक मार्च किया

» पेरिस, भाषा।

फ्रांस में किसानों ने अपनी कम आय और दक्षिण अमेरिका के साथ यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार समझौते के विरोध में मंगलवार को 350 ट्रैक्टर के साथ संसद तक मार्च किया। किसानों को आशंका है कि व्यापार समझौते से उनकी आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। पुलिस सुरक्षा के बीच, ट्रैक्टरों ने व्यस्त समय के दौरान चैंप्स-एलिसी और पेरिस की अन्य सड़कों से गुजरते हुए यातायात को अवरूद्ध कर दिया और फिर वे सीन नदी को पार करके नेशनल असेंबली तक पहुंचे। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों में किसानों का आक्रोश कई चुनौतियों के चलते बढ़ गया है। मंगलवार को हुए विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे किसान संघों ने कहा कि वे फ्रांस की खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए ठोस और तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

फ्रांस सरकार की प्रवक्ता मौड ब्रेगॉन ने मंगलवार को टीएफ1 टेलीविजन पर कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए जल्द ही नई घोषणाएं करेगी। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और उनकी सरकार यूरोपीय संघ-मर्कोसुर व्यापार समझौते के विरोध में हैं, लेकिन उम्मीद है कि शनिवार को पैराग्वे में इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे, क्योंकि इसे ज्यादातर अन्य ईयू देशों का समर्थन प्राप्त है। मर्कोसुर दक्षिण अमेरिकी देशों का क्षेत्रीय व्यापार संगठन है। यूरोपीय देशों के किसान मर्कोसुर देशों - ब्राजील, अर्जेंटीना, बोलीविया, पैराग्वे और उरुग्वे के साथ व्यापार समझौते का लंबे समय से विरोध कर रहे हैं।

पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की

» इस्लामाबाद, भाषा।

जकार्ता के जेएफ-17 थंडर जेट खरीदने में रुचि रखने वाले देशों की सूची में शामिल होने की खबरों के बीच पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की। सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल शफरी शम्सुद्दीन (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) में फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर से मुलाकात की। बयान के अनुसार, बैठक में आपसी हित के मामलों, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा की बदलती परिस्थितियों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने, प्रशिक्षण सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया।

इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की पेशेवर दक्षता की सराहना की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके बलिदानों को स्वीकार किया। उन्होंने कई क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंधों को और विस्तार देने की इंडोनेशिया की इच्छा भी व्यक्त की। मुनीर ने इंडोनेशिया के साथ मजबूत और स्थाई रक्षा संबंध बनाने के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसके अलावा, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद स्थित वायु सेना मुख्यालय में पाकिस्तान वायु सेना के चीफ ऑफ एयर स्टाफ, एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू से मुलाकात की।

ब्रिटेन की संस्था ने ग्रोक एआई से अश्लील तस्वीरें बनाने के मामले में जांच शुरू की

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के संचार कार्यालय (ऑफकॉम) ने सोशल मीडिया मंच एक्स के ग्रोक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबोट के खिलाफ अश्लील चित्र बनाने के आरोपों पर सोमवार को जांच शुरू की। ग्रोक के खिलाफ जांच में यह पता लगाया जाएगा कि उसने देश के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन किया है या नहीं। स्वतंत्र मीडिया निगरानी संस्था ऑफकॉम ने कहा कि उसने पिछले सप्ताह एक्स , जो पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, से तुरंत संपर्क किया था।

एलन मस्क की कंपनी को यह बताने के लिए 9 जनवरी तक की मोहलत दी गई थी कि उसने ब्रिटेन में अपने उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के वास्ते अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। ऑफकॉम ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने डेडलाइन तक जवाब दिया, ऑफकॉम ने कहा कि उसने यह पता लगाने के लिए एक ऑपचारिक जांच शुरू करने का फैसला किया है कि क्या एक्स ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम के तहत अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में नाकाम रहा है।

दुर्लभ हिमालई गिद्ध को बचाया गया, छोड़ने से पहले की जा रही देखभाल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर में एक राजमार्ग से जल्द ही संकटग्रस्त होने वाली श्रेणी में शामिल एक दुर्लभ हिमालई गिद्ध को बचाया गया है और उसे छोड़ने से पहले स्वस्थ अवस्था में लाया जा रहा है। यहां एक पशु कल्याण समूह ने यह जानकारी दी। एनिमल कंसर्न्स रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (एसीआरईसी) ने 11 जनवरी को परेशान हालत में दिखे प्रवासी पक्षी को बचाया था। समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कलई वनन बालकृष्णन ने यह जानकारी दी।

फिलहाल एसीआरईसी की पशु चिकित्सा टीम गिद्ध की देखभाल कर रही है। टीम ने गिद्ध के पूरी तरह स्वस्थ होने और फिर उसे जंगल में छोड़े जाने की उम्मीद जताई है। द स्ट्रेट्स टाइम्स ने सोमवार को एक खबर में बालकृष्णन के हवाले से कहा, शरीर में पानी की कमी, कमजोरी और लंबी यात्रा के कारण थकान जैसी शुरुआती स्वास्थ्य समस्याएं गिद्ध में दिख रही हैं। उन्होंने कहा कि 11 जनवरी की दोपहर को एक व्यक्ति ने एसीआरईसी को गिद्ध के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद तीन सदस्यीय बचाव टीम ने राजमार्ग पर घूम रहे गिद्ध को सुरक्षित पकड़ लिया। इससे पहले वह एक नहर में अटका हुआ था। हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में आम तौर पर पाए जाने वाले हिमालई गिद्ध सिंगापुर में बहुत कम देखे जाते हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर प्रवास करने वाली इस प्रजाति के अधिकांश पक्षी आमतौर पर थाईलैंड और म्यांमा में ही दिखाई देते हैं। लंबे-चौड़े भूरे रंग के पंखों पर सफेद धारियों के लिए पहचाने जाने वाले हिमालयन गिद्धों के पंखों का फैलाव 2.5 से तीन मीटर तक होता है। इन गिद्धों का वजन 12 किलोग्राम तक हो सकता है। कुछ पक्षी प्रेमी सोशल मीडिया पर इस प्रजाति के देखे जाने की जानकारी साझा कर रहे हैं। बर्ड सोसाइटी ऑफ सिंगापुर के रिकॉर्ड के अनुसार, सिंगापुर में आखिरी बार हिमालई गिद्ध फरवरी 2025 में देखे गए थे। सबसे पहले दिसंबर 1989 में ऐसा हुआ था, जब पश्चिमी सिंगापुर के तुआस इलाके में चार गिद्ध देखे गए थे। हाल के वर्षों में सिंगापुर में ऊदबिलाव, जंगली सूअर और हिरण समेत कई वन्य जीवों को देखा गया है। प्रशासन ने बार-बार लोगों से अपील की है कि वे वन्य जीवों को नुकसान न पहुंचाएं।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शांति समिति के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या

पेशावर, भाषा। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय शांति समिति के चार सदस्यों की अज्ञात हमलावरों ने मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान से सटे बन्नू जिले में हुई। अज्ञात बंदूकधारियों ने जिले के मजांग चौक के पास घात लगाकर हमला किया और शांति समिति के सदस्यों की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। हमलावरों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया।मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया। पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है।

वेंस और रुबियो ने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यभार संभालने पर गोर को दी बधाई

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यभार संभालने पर सर्जियो गोर को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि नई दिल्ली में उनका कामकाज शानदार रहेगा। गोर ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा, नमस्ते आज नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में मेरा पहला दिन है। इस समर्पित टीम में शामिल होकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए काम शुरू करने को लेकर उत्सुक हूं।

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में दोनों देशों के भविष्य को लेकर मैं बेहद आशावादी हूं। इस पोस्ट पर वेंस ने कहा, बधाई हो, राजदूत महोदय। आप बहुत अच्छा काम करेंगे रुबियो ने भी यही भावना व्यक्त करते हुए कहा, आप वाकई बहुत अच्छा काम करेंगे वहीं उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो ने भी गोर का स्वागत किया और कहा कि वह उनकी टीम के बेहतरीन सदस्य साबित होंगे। गोर नौ जनवरी को नई दिल्ली पहुंचे और उन्होंने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में अपना नया पदभार ग्रहण किया। अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वाशिंगटन के लिए भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई देश नहीं है और दोनों पक्ष व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रयासरत हैं। राजदूत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं लेकिन अंत में हमेशा अपने मतभेद सुलझा लेते हैं। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। इसलिए इसे (व्यापार वार्ता को) अंतिम चरण तक पहुंचाना आसान काम नहीं है लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। गोर ने कहा, व्यापार हमारे संबंधों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन हम सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर मिलकर काम करना भी जारी रखेंगे।

मिसिसिपी में व्यक्ति पर छह लोगों की हत्या का आरोप, आरोपी ने खुद को निर्दोष बताया

वेस्ट प्वाइंट (अमेरिका), भाषा। मिसिसिपी राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में स्थित एक ग्रामीण इलाके में हिंसक घटना को अंजाम देते हुए छह लोगों की हत्या करने के आरोपी व्यक्ति ने खुद को निर्दोष बताया है। मृतकों में सात वर्षीय बच्ची भी शामिल है। डब्ल्यूटीवीए-टीवी की खबर के अनुसार, सोमवार को क्ले काउंटी में एक अदालत की सुनवाई में डारिका एम मूर ने हत्या, प्रथम श्रेणी की हत्या, बच्चे की हत्या का प्रयास, सेंधमारी और मोटर वाहन की चोरी सहित 11 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। मूर पर हत्या का आरोप है जिसके लिए उसे मृत्युदंड भी दिया जा सकता है इसलिए राज्य कानून के तहत वह जमानत के लिए अयोग्य है। न्यायाधीश ने मूर की मानसिक स्थिति के मूल्यांकन का भी आदेश दिया।जिला अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने बचाव पक्ष के वकील के बारे में जानकारी मांगने वाले संदेश का भी तुरंत जवाब नहीं दिया। अधिकारियों ने बताया कि 24 वर्षीय मूर पर शुक्रवार देर रात तीन स्थानों पर अपने पिता, भाई, चाचा, सात वर्षीय चचेरी बहन, एक गिरजाघर के पादरी और पादरी के भाई की हत्या करने का आरोप है। स्थानीय, राज्य और संघीय पुलिस अधिकारियों की भारी तैनाती के बाद मध्यरात्रि से पहले सीडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर उसे गिरफ्तार किया गया। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सबूतों और गवाहों से संकेत मिलता है कि मूर ही वह हमलावर था और किसी अन्य के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

भारत की प्राथमिकताओं पर उनके विचारों एवं दृष्टिकोणों को सुनना उनके लिए सम्मान की बात : भारतीय दूतावास

भारत की विनिर्माण क्षमता के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना आवश्यक : वैष्णव

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में आयोजित महत्वपूर्ण मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया और महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। वैष्णव ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा सोमवार को आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने पर वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया।

भारत की विनिर्माण क्षमताओं और तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की मजबूती बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है। वैष्णव रविवार को बैठक में भाग लेने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे और उन्होंने कहा कि भारत के विकसित भारत के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने बयान में कहा कि वैष्णव ने आर्थिक समृद्धि, जुझारू विनिर्माण और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत एवं सुरक्षित करने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। बेसेंट ने कहा कि बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं में प्रमुख कमजोरियों को शीघ्रता से दूर करने की मजबूत एवं साझा इच्छा के बारे जानकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि राष्ट्र अलगाव की बजाय विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपायों को अपनाएंगे और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं में मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता को भलीभांति समझेंगे। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि अमेरिका ने पहले से ही किए गए कार्यों एवं निवेशों के साथ-साथ मजबूत, सुरक्षित और विविध महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए नियोजित कदमों को रेखांकित किया। और निर्णायक कार्रवाई एवं स्थाई समाधानों की दिशा में एक-दूसरे से सीखने और तेजी से काम करने की तत्परता के लिए उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने बयान में कहा कि वैष्णव का स्वागत करना और प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्रों में भारत की प्राथमिकताओं पर उनके विचारों एवं दृष्टिकोणों को सुनना उनके लिए सम्मान की बात है। वित्त मंत्रियों की बैठक में ऑस्ट्रेलिया के कोषाध्यक्ष जिम चाल्मर्स, कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा फिलिप शैम्पेन, अर्थव्यवस्था एवं उत्पादकता, कार्यान्वयन तथा सरलीकरण के लिए यूरोपीय आयुक्त वाल्डिस डाब्रोव्स्की, फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त एवं ऊर्जा मंत्री रोलैंड लेस्क्योर, जर्मनी के उप-कुलपति एवं संघीय वित्त मंत्री लार्स क्लिंगबील शामिल आदि कई लोगों ने शिरकत की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886